



श्रमसाधना



हम बनेंगे आपकी आवाज
स्कैन करें और चैनल से जुड़े

shramsadhnagwl@gmail.com

श्रम की शक्ति, राष्ट्र की प्रगति

www.shramsadhnagwl.com

दैनिक सांध्यकालीन

RNI रजि. क्र. 50069/89

वर्ष: 38, अंक: 82 ग्वालियर, शुक्रवार 23 अक्टूबर 2026

विक्रम संवत् 2083 पृष्ठ 12, मूल्य 1 रुपया

डाक पंजीयन

L-2-13/समा.पत्र/पं. 40020181/22-23

सिंगापुर में आईटीबी एशिया के अंतरराष्ट्रीय मंच से वैश्विक पर्यटकों को मध्यप्रदेश आने का न्योता

ग्रामीण पर्यटन, वन्यजीव और सांस्कृतिक विरासत से दुनिया को रूबरू कराएगा मध्यप्रदेश : सचिव डॉ. इलैया राजा टी

भोपाल जीएनएस

भोपाल, 23 अक्टूबर। मध्यप्रदेश के सचिव पर्यटन एवं प्रबंध संचालक, मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड डॉ. इलैया राजा टी. ने कहा कि वास्तविक ग्रामीण जीवन, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और प्राकृतिक सौंदर्य का अनुभव करने के लिए पर्यटकों को मध्यप्रदेश आना चाहिए। उन्होंने सिंगापुर के सैंड्स एक्सपोजे एंड कन्वेंशन सेंटर में आयोजित अंतरराष्ट्रीय ट्रेवल ट्रेड शो 'आईटीबी एशिया' के नेशनल टूरिज्म ऑर्गेनाइजेशन (एनटीओ) टॉक सेशन को संबोधित करते हुए प्रदेश की पर्यटन संभावनाओं को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत किया।

डॉ. इलैया राजा टी. ने कहा कि मध्यप्रदेश अपनी सांस्कृतिक विविधता, प्राकृतिक संपदा और आत्मीय आतिथ्य के कारण सही

मायनों में 'अतुल्य भारत का दिल' है। उन्होंने पर्यटन क्षेत्र में नवाचार और नए गंतव्यों की खोज पर जोर देते हुए कहा कि बदलते वैश्विक पर्यटन परिदृश्य में पर्यटक अब पारंपरिक पर्यटन स्थलों से आगे बढ़कर नए और विशिष्ट अनुभवों की तलाश कर रहे हैं। पर्यटन स्थलों पर बढ़ती भीड़ को कम करने के लिए पर्यटकों की मांग को नए और कम चर्चित गंतव्यों की ओर मोड़ना आवश्यक है।

वन्यजीव, विरासत और लोककला हैं प्रदेश की पहचान 'रीडिस्ट्रिब्यूटिंग डिमांड थ्रू डिस्कवरी' विषय पर प्रस्तुति देते हुए डॉ. इलैया राजा टी. ने मध्यप्रदेश की प्राकृतिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विशेषताओं को रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि प्रदेश का 25



प्रतिशत से अधिक क्षेत्र वनाच्छादित है। यहां सात प्रमुख जनजातियां और 45 उप-जनजातियां अपनी विशिष्ट परंपराओं एवं जीवनशैली के साथ समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को सहेजे हुए हैं।

चंदेरी और महेश्वर के पारंपरिक वस्त्र, गोंड चित्रकला तथा भोपाल की जरी-जरदोजी कला प्रदेश की विशिष्ट पहचान हैं। उन्होंने मध्यप्रदेश को वन्यजीव



पर्यटन का प्रमुख केंद्र बताते हुए बाघ, चीता, तेंदुआ, गिद्ध और घड़ियाल जैसी वन्यजीव संपदा का उल्लेख किया। पेंच राष्ट्रीय उद्यान की मोगली और 'द जंगल बुक' से जुड़ी पहचान, पेंच में नेचर वॉक तथा ओरछा में बेतवा नदी पर रिवर राफ्टिंग जैसे अनुभव पर्यटकों के लिए विशेष आकर्षण हैं।

डॉ. इलैया राजा ने सांची स्तूप, खजुराहो के मंदिरों और

भीमबेटका के प्राचीन शैलचित्रों सहित प्रदेश की विश्व धरोहर संपदा को भी रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि ऑफबीट पर्यटन स्थलों तक पहुंच आसान बनाने के लिए हेली पर्यटन सेवाओं का विस्तार किया जा रहा है। फिल्म पर्यटन, महिला सफारी चालकों और सर्व-महिला संचालित होटलों के माध्यम से भी प्रदेश में सुरक्षित एवं जिम्मेदार पर्यटन को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

ग्रामीण पर्यटन और पारंपरिक व्यंजन होंगे खास आकर्षण

अंतरराष्ट्रीय ट्रेवल कंपनियों, टूर ऑपरेटर्स और पर्यटकों को आमंत्रित करते हुए डॉ. इलैया राजा टी. ने कहा कि मध्यप्रदेश का ग्रामीण पर्यटन स्थानीय समुदायों की भागीदारी पर आधारित है।

इसके माध्यम से पर्यटक ग्रामीण जीवन, पारंपरिक कला, स्थानीय संस्कृति और भारतीय आतिथ्य का वास्तविक अनुभव प्राप्त कर सकते हैं।

उन्होंने प्रदेश के पारंपरिक व्यंजनों का उल्लेख करते हुए मालवा के पोहा-जलेबी, रतलामी सेव, दाल-बाफला, मुरैना-ग्वालियर की गजक तथा मालवा और बुंदेलखंड के विविध पारंपरिक स्वादों को पर्यटकों के लिए विशेष आकर्षण बताया।

डॉ. इलैया राजा टी. ने विश्वास व्यक्त किया कि मध्यप्रदेश की प्राकृतिक संपदा, वन्यजीव पर्यटन, ऐतिहासिक धरोहरें, सांस्कृतिक उत्सव, बेहतर कनेक्टिविटी और प्रदेशवासियों का आत्मीय व्यवहार अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों को आकर्षित करेगा।

बंगला साहिब गुरुद्वारे के पास जुटे सैकड़ों प्रदर्शनकारी

दिल्ली में SIR के खिलाफ प्रदर्शन, 'ज्ञानेश कुमार गद्दी छोड़ो' के नारे, चुनाव आयोग तक मार्च की तैयारी

नई दिल्ली जीएनएस

राजधानी दिल्ली में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के विरोध में शुक्रवार को बंगला साहिब गुरुद्वारे के पास सैकड़ों लोगों ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग करते हुए 'ज्ञानेश कुमार गद्दी छोड़ो' के नारे लगाए। प्रदर्शन का आयोजन 'पीपल अगेस्ट स्टूट्रं' और छात्र संगठन की ओर से किया गया।

प्रदर्शनकारियों ने बंगला साहिब गुरुद्वारे के पास से चुनाव



आयोग के कार्यालय तक मार्च निकालने की घोषणा की। मार्च को

देखते हुए दिल्ली पुलिस ने इलाके में भारी सुरक्षा व्यवस्था की और कई स्थानों पर बैरिकेडिंग की। लाइव अपडेट के मुताबिक, पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेना भी शुरू कर दिया।

कई प्रमुख हस्तियों के शामिल होने की संभावना : प्रदर्शन में अर्थशास्त्री परकला प्रभाकर, अभिनेता प्रकाश राज और वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण के शामिल होने की संभावना जताई गई। प्रदर्शन स्थल पर वामपंथी कार्यकर्ता और तिरंगा लेकर पहुंचे लोग भी दिखाई दिए।

नो-एंट्री में घुसे दो भारी ट्रक जब्त, एक चालक पर 30 हजार का जुर्माना

ग्वालियर जीएनएस

शहर की यातायात व्यवस्था सुचारु बनाए रखने के लिए ग्वालियर पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में थाना झांसीरोड पुलिस ने नो-एंट्री क्षेत्र में प्रवेश करने वाले दो भारी ट्रकों को जब्त कर उनके चालकों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की। न्यायालय ने एक ट्रक चालक पर 30 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है।

पुलिस के अनुसार, विक्री फैक्ट्री पुलिस पॉइंट से सूचना मिली थी कि दो भारी ट्रक विक्री फैक्ट्री चौराहे से नो-एंट्री क्षेत्र में

प्रवेश कर गए हैं। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए ट्रक क्रमांक ११११११११११ को माधव नगर गेट के पास तथा ११११११११११ को आयुष्मान अस्पताल के सामने रुकवाया।

पहले ट्रक का चालक दीपू उर्फ दीपचन्द कुशवाह (18), निवासी धौलपुर (राजस्थान), जबकि दूसरे ट्रक का चालक बनवारी गुर्जर (44), निवासी मुरैना था। पुलिस के मुताबिक, पृच्छाछ के दौरान दोनों चालकों के मुंह से शराब जैसी गंध आने और आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं

करने पर दोनों वाहनों को जब्त किया गया। चालकों का मेडिकल परीक्षण कराकर प्रकरण न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां एक चालक पर 30 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया।

ग्वालियर पुलिस ने भारी वाहन चालकों से नो-एंट्री नियमों का पालन करने, शराब पीकर वाहन नहीं चलाने और शहर में प्रवेश नहीं करने वाले वाहनों को बायपास से निकालने की अपील की है। नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई जारी रहेगी।

उप मुख्यमंत्री ने की रीवा विधानसभा में जल जीवन मिशन कार्यों की समीक्षा

नल-जल योजनाओं का कार्य 26 जनवरी तक पूरा करें : शुक्ल

भोपाल जीएनएस

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने रीवा विधानसभा क्षेत्र में नल-जल जीवन मिशन के तहत नल-जल योजनाओं के निर्माण की समीक्षा की। सर्किट हाउस में आयोजित बैठक में उप मुख्यमंत्री ने कहा कि रीवा विधानसभा के 23 ग्रामों की विस्तारित योजना की प्रशासकीय स्वीकृति शासन द्वारा 3 अक्टूबर 2023 को दी गई थी। पीएचई विभाग की लापरवाही के कारण अभी तक नए कार्य शुरू नहीं हो पाए हैं। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत तीन

साल में कार्य शुरू न होने की जाँच करके दोषियों के विरुद्ध समुचित कार्रवाई करें। जिन नल-जल योजनाओं का कार्य पूरा हो गया है उन्हें ग्राम पंचायतों को हैंडओवर कराकर उनका नियमित संचालन कराएं, जिससे प्रधानमंत्री जी की मंशा के अनुसार हर घर को नल से स्वच्छ जल मिल सके। बैठक में उप मुख्यमंत्री ने सरपंचों को %सुमन पंचायत% बनाने का अनूठा सुझाव दिया। उन्होंने सरपंचों से कहा कि वे अपने-अपने पंचायत क्षेत्र के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य



केंद्र और उप स्वास्थ्य केंद्र का भ्रमण करें। गर्भवती महिलाओं की सभी जांचें समय पर हों, प्लेटलेट्स की जांच की जाए और ग्राम पंचायत को कुपोषण मुक्त

बनाने के प्रयास किए जाएं, क्योंकि ऐसा करने पर शासन द्वारा एक लाख रुपये का इनाम दिया जाएगा। साथ ही, जो ग्राम पंचायतें जल जीवन मिशन का बेहतर संचालन करेंगी, रीवा विधानसभा क्षेत्र की उन प्रत्येक ग्राम पंचायत को 5-5 लाख रुपये तक की विधायक निधि दी जाएगी।

बैठक में बताया गया कि 22 जून 2026 को नई एसओआर दरें लागू होने के बावजूद जनपद के ग्रामीण विकास के उपयंत्री इसमें रुचि नहीं ले रहे हैं। सरपंचों ने जिला पंचायत

सीईओ को अवगत कराया कि पूर्ण हो चुकी योजनाओं के कनेक्शनों की सूची ग्राम पंचायत को उपलब्ध नहीं कराई गई है, जिससे जलकर की राशि नहीं वसूली जा पा रही है। इस संबंध में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती सुष्टि देशमुख ने कहा कि पीएचई विभाग के अधिकारी पूर्ण नल-जल योजनाओं की सूची एक सप्ताह में अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराएं। नए नियमों के अनुसार, पानी समिति के गठन की जिम्मेदारी ग्राम पंचायत की होगी और पानी समिति के अध्यक्ष

सरपंच होंगे। एकल योजना में नल-जल के संचालन एवं संधारण की पूर्ण जिम्मेदारी ग्राम पंचायत की होगी तथा हर घर से 100 रुपये जल कर राशि वसूली जाएगी। बैठक में योजना प्रभारी राजेश पांडेय ने ग्रामवार जानकारी प्रस्तुत की। बैठक में जनपद सीईओ रीवा पूनम दुबे, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री, सहायक यंत्री, आरईएस के सहायक यंत्री, उपयंत्री तथा 15 ग्राम पंचायतों के सरपंच, सचिव और संविदाकार उपस्थित रहे।

ऑपरेशन मुस्कान के तहत थाना करहिया पुलिस की कार्यवाही

थाना करहिया पुलिस ने घर से बिना बताए चले गए लड़के को ग्वालियर में झांसीरोड बस स्टेण्ड से सकुशल किया दस्तयाब

ग्वालियर, जीएनएस।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री धर्मवीर सिंह(भापुसे) के निर्देशानुसार ग्वालियर जिले में गुमशुदा बालक-बालिकाओं की दस्तयाबी हेतु प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। उक्त निर्देशों के परिपालन में अति. पुलिस अधीक्षक(ग्रामीण) जयराज कुबेर द्वारा अपने अधीनस्थ सभी थाना प्रभारियों को थाना क्षेत्र से गुमशुदा बालक-

बालिकाओं की दस्तयाबी हेतु टीम बनाकर प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये।

घटना का संक्षिप्त विवरण:- फरियादी भानुकुंअर सिंह चौहान निवासी ग्राम करहिया जिला ग्वालियर ने थाना करहिया पर गुमशुदगी लेख कराई थी कि दिनांक उसका लड़का मोनू उम्र 29 साल जो कि जन्म से गुंगा एवं बहरा व दिमाग से कमजोर है। दिनांक 30.09.2026 को वह

बिना बताये घर से अपने कपड़ों का थैला लेकर कहीं चला गया है। हम लोगों ने उसकी आसपास व रिश्तेदारियों में तलाश किया लेकिन कोई पता नहीं चला। पूर्व में भी वह कई बार घर से बिना बताये जा चुका है जो कुछ समय बाद घर वापस आ जाता था लेकिन इस बार वह वापस नहीं आया। फरियादी की रिपोर्ट पर दिनांक 08.10.2026 को थाना करहिया में अप0क्र0 88/26

धारा 140(3) बीएनएस का प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

उक्त गुमशुदा लड़के के गायब होने की सूचना प्राप्त होने पर एसडीओपी भितरवार श्री गगन हनवत के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी करहिया उप निरी. अंकिता भार्गव के द्वारा थाना बल की टीम को उक्त प्रकरण में घर से बिना बताये चले गये लड़के को दस्तयाब करने हेतु लगाया गया।

थाना करहिया पुलिस द्वारा उक्त लड़के की आसपास के क्षेत्र में तलाश की गई और मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया।

दौरान विवेचना थाना करहिया पुलिस को आज दिनांक 22.10.2026 को जरिए मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि उक्त गुमशुदा लड़का मोनू चौहान को ग्वालियर में झांसीरोड बस स्टेण्ड पर देखा गया है। उक्त सूचना पर पुलिस टीम द्वारा झांसीरोड प्रायवेट बस

स्टेण्ड ग्वालियर से उक्त गुमशुदा लड़के मोनू को सकुशल दस्तयाब किया जाकर पूछताछ की जा रही है और उसके दस्तयाब होने के संबंध में परिजन को सूचित किया गया है।

सराहनीय भूमिका- थाना प्रभारी करहिया उप निरी. अंकिता भार्गव, उप निरी. गंगा सिंह गुर्जर, आर. जैनेन्द्र गुर्जर, आर. रविशंकर सिंह राजावत की सराहनीय भूमिका रही।

शीतला माता मंदिर के समीप हुई दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल एक और मरीज को एयर एम्बुलेंस से एम्स में भर्ती कराया

ग्वालियर, जीएनएस।

ग्वालियर जिले में शीतला माता मंदिर के समीप हुई दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हुए मरीजों को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर एयर लिफ्ट कर उच्च स्तरीय इलाज के लिये एम्स में भर्ती कराया जा रहा है। इस क्रम में गुरुवार को एक और घायल मरीज को एयर लिफ्ट कर एम्स भोपाल में भर्ती कराया गया। आरजेएन अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल में भर्ती अंकित पुत्र जयनारायण निवासी मनोहर का पुरा तहसील गोहद जिला भिण्ड को एयर एम्बुलेंस के जरिए भोपाल एम्स में भर्ती कराया गया। इससे पहले कल्पना परिहार निवासी ठाठीपुर, संजय शर्मा निवासी करनाल साहब की द्यूयोड़ी व शैलेन्द्र सिंह तोमर निवासी मुरैना को एयर



एम्बुलेंस के माध्यम से एम्स में भर्ती कराया जा चुका है। दुर्घटना में घायल मरीजों के इलाज पर मुख्यमंत्री स्वयं नजर रख रहे हैं। जेएच के ट्रामा सेंटर सहित शहर के निजी अस्पतालों में भर्ती मरीजों के इलाज की मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देश पर जिला प्रशासन द्वारा लगातार निगरानी की जा रही है।

कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान स्वयं इलाज की प्रतिदिन समीक्षा कर रही हैं। साथ ही मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सहित विभाग के अन्य अधिकारियों को प्रतिदिन निजी अस्पतालों में पहुँचकर मरीजों का हालचाल जानने एवं उनका बेहतर से बेहतर इलाज सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

मेडीकल वेस्ट सड़क पर फैकने पर एप्पल हॉस्पिटल पर लगाया 15000 का जुर्माना

ग्वालियर, जीएनएस।

नगर निगम ग्वालियर द्वारा शहर में सड़को पर गोबर बहाने एवं कचरा फैकने वालों के खिलाफ निरंतर कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में आज गुरुवार को अवैध रूप से पशु डेयरी संचालित करने एवं नाली में गोबर बहाने वालों पर 11 हजार तथा खुले में कचरा फैकने वालों पर 3 हजार रु. का जुर्माना लगाया गया। इसके साथ ही हॉस्पिटल रोड स्थित एप्पल हॉस्पिटल द्वारा सड़क पर मेडीकल वेस्ट फैलाने पर 15000 रु. का जुर्माना वसूला।

मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. वैभव श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुये बताया कि नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी एवं अपर आयुक्त श्री टी प्रतीक राव के निर्देशन में शहर में

सड़को पर गोबर बहाने एवं कचरा फैकने वालों के खिलाफ निरंतर कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में आज स्वास्थ्य अधिकारी ग्वालियर विधानसभा श्री अजय ठाकुर के निर्देशन में क्षेत्र क्रमांक 5 वार्ड क्रमांक 12 एवं 16 में लाइन नंबर 02 बिरला नगर में अवैध रूप से संचालित भैंस डेयरियों से 11 हजार रु. जुर्माना वसूल किया गया जिसमें श्री नारांची भदौरिया पर 1000, श्री अंकुर पाल पर 5000, श्री ओम शर्मा पर 5000 का जुर्माना लगाया गया। कार्यवाही के दौरान सहायक स्वास्थ्य अधिकारी श्री शरण कुमार, डब्ल्यूएचओ 05 श्री रवि करोसिया, डब्ल्यूएचओ 12 श्री बंटी गोहर, डब्ल्यूएचओ श्री आकाश करोसिया, सहा श्री पवन डागौर उपस्थित रहें।

इसके साथ ही दक्षिण विधानसभा क्षेत्रान्तर्गत स्वास्थ्य अधिकारी श्री किशोर चौहान के निर्देशन में स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा ब्लैक स्पॉट हारकोटाशीर गिरवाई में खुले में कचरा फैकने पर संबंधित पर 3000 रु. का जुर्माना लगाया गया।

कार्यवाही के दौरान सहायक स्वास्थ्य अधिकारी श्री धर्मेन्द्र परमार, जेडएचओ श्री गौतम चिंडालिया, डब्ल्यूएचओ श्री राम सिंह, सहायक श्री रवि राणा उपस्थित रहे। इसके साथ ही स्वास्थ्य अधिकारी श्री भीष्म पंमनानी एवं श्री सहायक स्वास्थ्य अधिकारी श्री जगदीश चितोड़िया द्वारा हॉस्पिटल रोड स्थित एप्पल हॉस्पिटल द्वारा सड़क पर मेडीकल वेस्ट फैलाने पर 15000 रु. का जुर्माना वसूला।

जैन मिलन युगल नेमिनाथ ग्रेटर ग्वालियर द्वारा किया सम्मान समारोह आयोजित

ग्वालियर, जीएनएस।

जैन मिलन युगल नेमिनाथ ग्रेटर ग्वालियर द्वारा परम श्रद्धेय श्रीमंत महाराज श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया केंद्रीय संचार मंत्री भारत सरकार के आशीर्वाद से श्री दिनेश जैन को दूरसंचार मंत्रालय की दूरसंचार सलाहकार समिति (झष्ट) का सदस्य बनाए जाने पर विशेष सम्मान समारोह आयोजित किया गया। यह सम्मान समारोह टोपी बाजार में किया गया।

जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि सम्मान समारोह शाखा के संस्थापक एवं भारतीय जैन मिलन क्षेत्र क्रमांक2 के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष रवि जैन, टोपी बाजार संगठन के अध्यक्ष संदीप वैश्य, संगठन मंत्री ऋषि कपूर, पारस जैन, अमित जैन, गौरव जैन, विकास जैन, बृजेश दुबे, प्रवक्ता सचिन जैन, नीलेश मिश्रा एवं केतन जैन ने दिनेश जैन का पुष्पमाला एवं सम्मान के साथ स्वागत-अभिर्नंदन किया गया। उपस्थित गणमान्यजनों ने इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं।

इस अवसर पर दिनेश जैन ने कहा कि यह महत्वपूर्ण दायित्व प्रदान किए जाने पर केंद्रीय संचार

जैन मिलन युगल नेमिनाथ ने दिनेश जैन को TAC सदस्य बनाए जाने पर किया सम्मान



मंत्री श्रीमंत महाराज श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया जी के प्रति आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया। वक्ताओं ने कहा कि यह उपलब्धि ग्वालियर के लिए गौरव का विषय है तथा इससे जनहित से जुड़े दूरसंचार संबंधी विषयों को उचित मंच पर रखने का अवसर मिलेगा।

जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि जैन मिलन युगल नेमिनाथ ग्रेटर ग्वालियर की ओर से शाखा संस्थापक एवं

क्षेत्रीय उपाध्यक्ष रवि जैन, शाखा निवर्तमान अध्यक्ष एवं क्षेत्रीय ग्रीटिंग सह-संयोजक ऋषभ जैन, शाखा अध्यक्ष कुनाल जैन, शाखा कोषाध्यक्ष अंकुर जैन, रितिक जैन एवं मोक्ष जैन सहित शाखा के अन्य सदस्यों ने सहभागिता की। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थितजनों ने दिनेश जैन के उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना करते हुए आशा व्यक्त की वे अपने दायित्व का निर्वहन पूरी निष्ठा एवं जिम्मेदारी के साथ करेंगे।

स्वामित्व योजना में लापरवाही पर की कार्यवाही, दो पटवारियों की दो-दो वार्षिक वेतनवृद्धि रोकी

शिवपुरी, जीएनएस।

स्वामित्व योजना के अंतर्गत स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन कार्य में घोर लापरवाही बरतने और प्रगति शून्य होने पर दो पटवारियों के विरुद्ध कार्रवाई की गई है। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा के निर्देशानुसार अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कोलारस शिवदयाल धाकड़ द्वारा पटवारी ग्राम गोराटीला श्री मुकेश श्रीवास्तव एवं पटवारी ग्राम लालपुर, बीजरी तहसील रत्नौद श्री चन्द्रपाल यादव की 02-02 वार्षिक वेतनवृद्धि

असंचयी प्रभाव से रोकने के आदेश जारी किए गए हैं।

स्वामित्व योजना के अंतर्गत स्वामित्व अधिकार अभिलेखों से संबंधित हस्तांतरण विलेख के पंजीयन हेतु राजस्व विभाग द्वारा पटवारियों को निष्पादक घोषित किया गया है।

एसडीएम कोलारस द्वारा जारी आदेश के तहत पटवारी ग्राम गोराटीला श्री मुकेश श्रीवास्तव को पूर्व में नोटिस जारी किया गया था। उनके द्वारा प्रस्तुत जवाब का अवलोकन करने पर वह संतोषजनक नहीं पाया गया तथा

आज दिनांक तक उनके क्षेत्र में स्वामित्व रजिस्ट्री की प्रगति शून्य पाई गई। वहीं दूसरी ओर, पटवारी ग्राम लालपुर, बीजरी (तहसील रत्नौद) श्री चन्द्रपाल यादव द्वारा नोटिस का कोई जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया और उनके क्षेत्र में भी प्रगति शून्य रही। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कोलारस ने म.प्र. सिविल सेवा आचरण नियम 1966 के तहत श्री मुकेश श्रीवास्तव एवं श्री चन्द्रपाल यादव दोनों की 02-02 वार्षिक वेतनवृद्धि असंचयी प्रभाव से रोकने की कार्रवाई की गई है।

सारेगामा प्रतिभागी अतुल राव ने की कलेक्टर से भेंट

श्यापुर, जीएनएस।

कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा से आज जी-टीवी म्यूजिकल रियालिटी शो के प्रतिभागी श्री अतुल राव द्वारा भेंट की गई। इस अवसर पर कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा ने उन्हें रियालिटी शो में जीत के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि श्यापुर जिले में प्रतिभाओं की कमी नहीं है। प्रतिभाओं को निखारने और उन्हें मंच उपलब्ध

कराने की दृष्टि से श्यापुर जिले में क्रियेटिव श्यापुर अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने के लिए कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लोक संगीत, परम्परागत गायनशैली, लोक कलाओं, परम्पारिक व्यंजनों, ड्राइंग एवं पेंटिंग, पर्यटन क्रिज, यूथ इंटरैक्शन जैसे सांस्कृतिक एवं बौद्धिक कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि श्यापुर जिले के निवासी श्री अतुल राव जी-टीवी सारेगामा म्यूजिकल रियालिटी शो अंतर्गत टॉप-12 प्रतिभागियों में शामिल हैं तथा अपनी मधुर आवाज से बेहतरीन परफोमेंस कर रहे हैं। श्रेयस तलपडे द्वारा होस्ट किये जा रहे इस शो को मशहूर सिंगर श्री कुमार सानू, श्री शंकर महादेवन, श्री जावेद अली एवं सुश्री नीति मोहन द्वारा जज किया जा रहा है।

दीपावली एवं आगामी त्योहारों को लेकर ग्वालियर पुलिस अलर्ट कार्बाइड गन और अवैध पटाखों पर होगी सख्त कार्रवाई

एसएसपी ग्वालियर ने कार्बाइड गन और अवैध पटाखों को लेकर समस्त थाना प्रभारियों को क्षेत्र में प्रभावी चेकिंग कर वैधानिक कार्रवाई के लिए निर्देश

ग्वालियर, जीएनएस।

दीपावली एवं आगामी त्योहारों के दौरान आमजन की सुरक्षा तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश शासन व पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा जारी निर्देशों के पालन में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री धर्मवीर सिंह (भापुसे) द्वारा जिले के समस्त थाना प्रभारियों को अपने-अपने थाना क्षेत्रों में सघन चेकिंग अभियान चलाने तथा कार्बाइड गन, कार्बाइड लैम्प, अवैध एवं प्रतिबंधित पटाखों और विस्फोटक सामग्री के अवैध निर्माण, भंडारण, बिक्री एवं उपयोग के विरुद्ध नियमानुसार

वैधानिक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। उक्त निर्देशों के अनुक्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर द्वारा आसूचना संकलन एवं क्राइम ब्रांच के अधिकारियों और कर्मचारियों की बैठक लेकर हार्डवेयर शॉप, फेब्रिकेशन शॉप एवं केमिकल कैल्शियम कार्बाइड विक्रय करने वाली दुकानों की चेकिंग करने के निर्देश दिये।

खतरनाक कार्बाइड गन एवं केमिकल कैल्शियम कार्बाइड के उपयोग पर रहेगी नजर- कार्बाइड गन एवं कार्बाइड लैम्प का अनुचित उपयोग गंभीर दुर्घटनाओं का कारण बन सकता है। इनके उपयोग से विस्फोट, आग लगने तथा आंखों, चेहरे और शरीर पर गंभीर चोट लगने का खतरा रहता है। इसे ध्यान में रखते हुए आसूचना संकलन एवं क्राइम ब्रांच की टीम लगातार हार्डवेयर



शॉप, फेब्रिकेशन शॉप एवं केमिकल कैल्शियम कार्बाइड विक्रय करने वाली दुकानों की चेकिंग की जाएगी अवैध निर्माण, बिक्री अथवा उपयोग की जानकारी मिलने पर संबंधित विभागों के समन्वय से आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

पटाखा दुकानों की जांच एवं अवैध भंडारण पर कार्रवाई- ग्वालियर पुलिस द्वारा संबंधित विभागों के समन्वय से पटाखा दुकानों में लाइसेंस संबंधी शर्तों तथा निर्धारित सुरक्षा मानकों के

पालन की जांच की जाएगी। प्रतिबंधित पटाखों की खरीद-बिक्री और विस्फोटक सामग्री के अवैध भंडारण की जानकारी मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

साथ ही, बाजारों, भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों एवं संवेदनशील स्थानों पर नियमित गश्त और निगरानी बढ़ाई जाएगी। सोशल मीडिया एवं ऑनलाइन बिक्री पर भी रहेगी निगरानी- कार्बाइड गन, कार्बाइड लैम्प तथा संबंधित सामग्री की अवैध बिक्री के स्रोतों की पहचान

करने के लिए सोशल मीडिया पोस्ट, ऑनलाइन मार्केट प्लेस जैसे फ्लिपकार्ट, अमेज़ॉन जैसी विभिन्न ईकॉमर्स कंपनी के गोदामों को चेक किया जाएगा साथ ही अगर किसी के द्वारा कार्बाइड गन मंगवाई गई है तो उसकी जानकारी लेकर वैधानिक कार्यवाही की जायेगी। इसके लिए ईकॉमर्स कंपनियों के स्थानीय प्रतिनिधियों की बैठक लेकर उक्त संबंध में उन्हें भी निर्देशित किया जाएगा।

जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से आमजनों को किया जाएगा सतर्क- एसएसपी ग्वालियर द्वारा थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया है कि वे स्कूलों, पंचायतों, बाजारों एवं सार्वजनिक स्थानों पर जागरूकता गतिविधियां आयोजित कर नागरिकों, विशेषकर बच्चों को कार्बाइड गन, कार्बाइड लैम्प एवं अवैध पटाखों से होने

वाले संभावित खतरों के प्रति जागरूक करें। साथ ही, संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों से समन्वय कर आवश्यक प्रतिबंधात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करने की दिशा में कार्य करें।

ग्वालियर पुलिस की आमजन से अपील- ग्वालियर पुलिस आमजन से अपील करती है कि वे कार्बाइड गन एवं कार्बाइड लैम्प जैसी खतरनाक वस्तुओं का उपयोग न करें। कार्बाइड गन का उपयोग, निर्माण एवं विक्रय पूरी तरह प्रतिबंधित है। यदि कोई व्यक्ति ऐसा करते पाया जाता है तो इसकी सूचना तत्काल नजदीकी पुलिस स्टेशन या ग्वालियर पुलिस के व्हाट्सएप मोबाइल नम्बर 9407214576 पर दें, सूचना देने वाले का नाम गोपनीय रखा जाएगा।

करैरा में भागवत कथा पर मार्ग रहेंगे परिवर्तित

शिवपुरी, जीएनएस।

दिनांक 24-10-26 से 30-10-26 तक श्री बागेश्वर धाम द्वारा करैरा में श्री राम कथा का आयोजन किया जा रहा है जिसे लेकर यातायात पुलिस शिवपुरी द्वारा मार्ग एवं पार्किंग व्यवस्था चार्ट तैयार किया गया है जो इस प्रकार है।

1. नवंबर, भितरवार, डबरा, ग्वालियर से आने वाले दो पहिया एवं चार पहिया वाहनों के लिए पार्किंग खैराघाट (भितरवार) रोड पर रखी गई है।

2. शिवपुरी, गुना की ओर से आने वाले दो पहिया एवं चार पहिया वाहनों की पार्किंग महुआर कॉलोनी में रखी गई है।

3. शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, खनियाघाना एवं पिछोर की ओर से आने वाले दो पहिया एवं चार पहिया वाहनों की पार्किंग कॉलेज ग्राउंड में की

जाएगी।

4. दिनारा, दतिया, झांसी की ओर से आने वाले दो पहिया एवं चार पहिया वाहनों की पार्किंग मंडी के पीछे की जाएगी।

5. वीआईपी पार्किंग बालक उत्कृष्ट विद्यालय करैरा में रखी गई है।

6. शिवपुरी जिले के सभी पत्रकार बंधुओं की पार्किंग वीआईपी पार्किंग में रखी गई है।

7. सिलारपुर तिराहा से आई लव करैरा तक एवं भितरवार रोड पर सभी प्रकार के भारी वाहन सुबह 09 बजे से रात्रि 09 बजे तक पूर्णतया प्रतिबंधित रहेंगे।

8. दिनांक 24-10-26 से 30-10-26 तक करैरा शहर में संचालित होने वाली सभी बसें कॉलेज तिराहा से संचालित की जाएगी। करैरा शहर में सभी बसें प्रतिबंधित रहेंगी।

ग्वालियर जिले में 'कार्बाइड गन' के निर्माण, क्रय, विक्रय, भण्डारण व उपयोग पर प्रतिबंधित

ग्वालियर, जीएनएस।

ग्वालियर जिले में कैल्शियम कार्बाइड एवं कार्बाइड गन के निर्माण, भण्डारण, क्रय, विक्रय, प्रदर्शन एवं इनके उपयोग पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया गया है। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्रीमती रुचिका चौहान ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत जनहित में दीपावली त्योहार को ध्यान में रखकर इस आशय का प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है। आदेश में उल्लेख किया गया है कि कैल्शियम कार्बाइड के मिश्रण से एसीटिलीन गैस उत्पन्न होती है, जो अत्यंत ज्वलनशील होकर विस्फोट के रूप में परिवर्तित होती है। साथ ही वह आंखों के साथ-साथ दिमाग एवं नर्वस सिस्टम

के लिए घातक होती है। कार्बाइड गन का उपयोग जन सामान्य के लिये गंभीर खतरा बन सकता है। इन सब बातों को ध्यान में रखकर जिले में कैल्शियम कार्बाइड के मिश्रण एवं कार्बाइड गन के क्रय, विक्रय, भण्डारण, उपयोग पर जिला दण्डाधिकारी द्वारा तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया गया है। आम नागरिकों के जान-माल, स्वास्थ्य व पर्यावरण की सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से जिला दण्डाधिकारी ने यह आदेश जारी किया है। आदेश का उल्लंघन भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 एवं अन्य सुसंगत अधिनियमों के तहत दण्डनीय होगा।

जिला दण्डाधिकारी श्रीमती चौहान ने नगर निगम

आयुक्त, पुलिस अधीक्षक एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारियों को इस आदेश का व्यापक प्रचार-प्रसार करने तथा आदेश का पालन कराने के निर्देश दिए हैं। अपर जिला दण्डाधिकारी श्री सी बी प्रसाद ने बताया कि यदि किसी को अवैध रूप से कार्बाइड गन का निर्माण, क्रय, विक्रय एवं उपयोग की जानकारी हो तो वह उसकी सूचना जिला प्रशासन व पुलिस को अवश्य दे। सूचना देने वाले को पुरस्कृत किया जायेगा। साथ ही प्रतिबंधात्मक आदेश के उल्लंघन एवं संबंधित कानून के अनुसार कार्बाइड गन का क्रय-विक्रय व उपयोग करने वाले के खिलाफ कार्रवाई भी की जाएगी।



डबरा सिविल अस्पताल में वृद्ध महिला की मौत पर हंगामा

डबरा। सिविल अस्पताल में इलाज के दौरान विमला बाई परिहार की मौत के बाद परिजनों ने ड्यूटी डॉक्टर धर्म सिंह पर लापरवाही के आरोप लगाते हुए हंगामा किया। आरोप है कि आक्रोशित परिजनों ने डॉक्टर और स्टाफ के साथ गाली-गलौज व धक्का-मुक्की की। घटना के बाद डॉक्टरों ने अस्पताल में कामकाज बंद कर दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

शिवपुरी मुख्य डाकघर में 'डाक निर्यात केंद्र' क्रियान्वित, स्थानीय उत्पादों को मिलेगा वैश्विक बाजार

शिवपुरी, जीएनएस।

कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा की अध्यक्षता में जिले के उद्यमियों के साथ बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में भारतीय डाक विभाग की महत्वाकांक्षी पहल डाक निर्यात केंद्र योजना की विशेष रूप से जानकारी दी गई और बताया गया कि शिवपुरी मुख्य डाकघर में काउंटर क्रियान्वित है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य स्थानीय निर्यातकों को वैश्विक बाजार उपलब्ध कराना है, जिससे वे

अपने उत्पादों को वैश्विक स्तर पर अन्य देशों में भी पहुँचा सकते हैं।

स्थानीय स्तर पर अंतर्राष्ट्रीय बुकिंग संभव

शिवपुरी मुख्य डाकघर के माध्यम से मुख्य रूप से जैकेट्स एवं गारमेंट्स, पत्थर शिल्प एवं हस्तशिल्प तथा खाद्य पदार्थ एवं मसाले जैसे स्थानीय उत्पादों को अब सीधे वैश्विक बाजार उपलब्ध कराया जा रहा है किसी भी उद्यमी को बाहर जाने की आवश्यकता नहीं है। स्थानीय स्तर पर

भी अंतर्राष्ट्रीय बुकिंग संभव है।

डाक विभाग शिवपुरी द्वारा दी गई जानकारी अनुसार डिजिटल पोर्टल पर ऑनलाइन कस्टम क्लियरेंस और कागज मुक्त प्रक्रिया उपलब्ध है। डिजिटल रिकॉर्ड से त्वरित ड्यूटी ड्रॉबैक और टैक्स रिफंड की सुविधा है। इसके अतिरिक्त यह निजी कोरियर की तुलना में किफायती है। उन्होंने बताया कि इसके तहत व्यावसायिक दस्तावेज एवं पुस्तक, इंजीनियरिंग मशीनरी पार्ट्स,

सूखे खाद्य पदार्थ एवं मसाले, पत्थर शिल्प एवं हस्तशिल्प, जैकेट एवं गारमेंट्स जैसी वस्तुएं भेजी जा सकती हैं।

आवश्यक दस्तावेज एवं पंजीकरण: निर्यात हेतु डीजीएफटी पंजीकरण अनिवार्य है। सरकारी रियायतों का लाभ लेने के लिए एमएसएमई उद्यम पंजीकरण होना चाहिए। इसके अतिरिक्त जीएसटी रजिस्ट्रेशन जरूरी है। डाक विभाग की वेबसाइट पर निशुल्क प्रोफाइल

पंजीयन की सुविधा दी गई है। उद्यमी घर बैठे ही पार्सल बुक कर सकते हैं और एंड टू एंड ट्रेकिंग सुविधा भी प्राप्त कर सकते हैं। कलेक्टर श्री वर्मा ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे जिले के हस्तशिल्पियों, उद्यमियों एवं स्व-सहायता समूहों के साथ समन्वय स्थापित कर उन्हें शिवपुरी मुख्य डाकघर में संचालित डाक निर्यात केंद्र की प्रक्रियाओं, दस्तावेजों और मिलने वाले लाभों के प्रति जागरूक करें।

भिण्ड-गोरमी
के
समाचार
विज्ञापन
के लिए सम्पर्क करें
महेश चौधरी
98267-36233

श्रीजी Har Khushi Ki Pahali Pasand

SCAN TO SHOP

OUR NEW PRODUCT

100% VEG

श्रमसाधना

संपादकीय

भीड़ नियंत्रण नहीं, बेहतर प्रबंधन जरूरी

भीड़ मानव जीवन का एक स्वाभाविक हिस्सा है। धार्मिक आयोजनों, मेलों, त्योहारों, रेलवे स्टेशनों, बस अड्डों, खेल प्रतियोगिताओं और राजनीतिक रैलियों में बड़ी संख्या में लोग एकत्रित होते हैं। भीड़ अपने आप में समस्या नहीं है, बल्कि उसका अनुचित प्रबंधन अनेक बार गंभीर दुर्घटनाओं का कारण बन जाता है। भगदड़ में लोगों की मृत्यु और घायल होने की घटनाएँ हमें यह सोचने के लिए मजबूर करती हैं कि क्या केवल भीड़ को नियंत्रित करना पर्याप्त है, या इसके लिए बेहतर प्रबंधन की आवश्यकता है। अक्सर किसी बड़े आयोजन में भीड़ बढ़ने पर पुलिस बल तैनात कर दिया जाता है, बैरिकेडिंग कर दी जाती है और लोगों को आगे बढ़ने से रोक दिया जाता है। लेकिन यदि प्रवेश और निकास के रास्ते अपर्याप्त हों, लोगों की संख्या का सही अनुमान न लगाया गया हो और आवागमन की उचित व्यवस्था न हो, तो केवल बल प्रयोग से स्थिति और बिगड़ सकती है। भीड़ को धक्का देकर पीछे हटाना, अचानक रास्ते बंद कर देना या बिना वैकल्पिक व्यवस्था के लोगों की आवाजाही रोकना घबराहट पैदा कर सकता है। भीड़ प्रबंधन का पहला सिद्धांत है-समस्या उत्पन्न होने से पहले उसकी संभावना को पहचानना। किसी भी बड़े आयोजन से पहले संभावित लोगों की संख्या, स्थल की क्षमता, प्रवेश और निकास द्वारों, आपातकालीन रास्तों तथा चिकित्सा सुविधाओं का आकलन किया जाना चाहिए। आयोजन स्थल की क्षमता से अधिक लोगों को प्रवेश देने से बचना आवश्यक है। टिकट, पंजीकरण, समयबद्ध प्रवेश और डिजिटल सूचना प्रणाली जैसी व्यवस्थाएँ भीड़ के दबाव को कम कर सकती हैं। दूसरा महत्वपूर्ण पहलू है तकनीक का प्रभावी उपयोग। सीसीटीवी कैमरे, ड्रोन, डिजिटल डिस्प्ले, सेंसर और वास्तविक समय में भीड़ की स्थिति का विश्लेषण करने वाली प्रणालियाँ प्रशासन को समय रहते चेतावनी दे सकती हैं। यदि किसी स्थान पर भीड़ का दबाव बढ़ने लगे, तो लोगों को दूसरे मार्गों की ओर भेजा जा सकता है। हालाँकि, तकनीक तभी उपयोगी है जब प्रशिक्षित कर्मचारी प्राप्त सूचनाओं के आधार पर तुरंत और समन्वित कार्रवाई करें। तीसरा पहलू है स्पष्ट संचार। भीड़ में उपस्थित लोगों को यह पता होना चाहिए कि उन्हें किस दिशा में जाना है, निकास द्वार कहाँ हैं और आपातकालीन स्थिति में क्या करना है। सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली, स्पष्ट संकेतक और विभिन्न भाषाओं में निर्देश भ्रम को कम कर सकते हैं। अफवाहों और गलत सूचनाओं से बचने के लिए प्रशासन को विश्वसनीय जानकारी समय पर उपलब्ध करानी चाहिए। पुलिस, प्रशासन, आयोजन समितियों, स्वास्थ्यकर्मियों, अग्निशमन विभाग और स्वयंसेवकों के बीच बेहतर तालमेल भी अनिवार्य है। प्रत्येक कर्मचारी की जिम्मेदारी पहले से निर्धारित होनी चाहिए। नियमित अभ्यास और आपातकालीन योजनाएँ वास्तविक संकट के समय जीवनरक्षक सिद्ध हो सकती हैं। भीड़ में महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों और दिव्यांग व्यक्तियों की विशेष आवश्यकताओं को ध्यान में रखना भी जरूरी है। इसके साथ ही नागरिकों की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। धक्का-मुक्की करना, अफवाह फैलाना, निर्धारित मार्गों को बाधित करना और आपातकालीन निर्देशों की अनदेखी करना जोखिम बढ़ाता है। लोगों को धैर्य रखने, कतारों का पालन करने और दूसरों की सुरक्षा का ध्यान रखने के लिए जागरूक करना चाहिए। हालाँकि, प्रशासन अपनी जिम्मेदारी केवल नागरिकों के व्यवहार पर डालकर मुक्त नहीं हो सकता। सुरक्षित व्यवस्था उपलब्ध कराना उसकी प्राथमिक जिम्मेदारी है।

प्रांतीय कार्यालय : 76 शबरी कॉम्प्लेक्स, एम.पी. नगर
जोन-2 भोपाल, फोन : 0755-2579530

प्रांतीय ब्यूरो प्रमुख : एल.एन. तवर, 9827781209

प्रांतीय ब्यूरो : डॉ. जानकी अहिरवार 9406580345

Email:shramsadhnagwl@gmail.com

त्योहारों के पकवानों में रसायन : मानव स्वास्थ्य के साथ खतरनाक खिलवाड़

डॉ. विजय गर्ग

त्योहार खुशी, आपसी मेल-जोल, उदारता और उत्सव के अवसर होते हैं। भारत में मिठाइयाँ, नमकीन और पारंपरिक व्यंजन इन उत्सवों का अभिन्न हिस्सा हैं। परिवार एक-दूसरे को मिठाइयों के डिब्बे भेंट करते हैं, घरों में विशेष पकवान बनाए जाते हैं और मेहमानों का स्वागत स्वादिष्ट भोजन से किया जाता है। लेकिन त्योहारों पर सजे रंग-बिरंगे पकवानों के पीछे एक गंभीर चिंता भी बढ़ रही है-खाद्य पदार्थों में मिलावट और रसायनों का अनुचित प्रयोग। कृत्रिम रंग, अनाधिकृत परिरक्षक, दूषित सामग्री और हानिकारक मिलावटी पदार्थ त्योहारों के पकवानों को स्वास्थ्य के लिए खतरा बना सकते हैं। जो भोजन खुशियाँ बाँटने के लिए बनाया जाता है, वही बीमारी का कारण नहीं बनना चाहिए।

खाद्य पदार्थों में मिलावट की बढ़ती समस्या : दीवाली, होली, दशहरा और अन्य क्षेत्रीय त्योहारों के दौरान मिठाइयों, दूध से बने उत्पादों, खाद्य तेलों, मसालों और पैकेटबंद खाद्य पदार्थों की माँग तेजी से बढ़ जाती है। इस माँग को पूरा करने और अधिक मुनाफा कमाने के लिए कुछ बेईमान व्यापारी गुणवत्ता और सुरक्षा से समझौता कर सकते हैं।

दूध और उससे बने उत्पादों में मिलावट की आशंका विशेष रूप से रहती है। खोया, पनीर, घी और अन्य दुग्ध उत्पाद घटिया सामग्री या अनाधिकृत पदार्थों से तैयार किए जा सकते हैं अथवा बेचे जा सकते हैं। मिठाइयों को अधिक चमकदार और आकर्षक बनाने के लिए उनमें कृत्रिम रंग मिलाए जा सकते हैं। निम्न गुणवत्ता वाले खाद्य तेल, मिलावटी मसाले और अनुचित ढंग से रखी गई सामग्री भी खाद्य सुरक्षा को प्रभावित कर सकती

है।

हालाँकि, हर सस्ता उत्पाद या चमकीले रंग की मिठाई असुरक्षित नहीं होती। फिर भी उपभोक्ताओं को सतर्क रहना चाहिए, क्योंकि आकर्षक रूप और अच्छा स्वाद शुद्धता की गारंटी नहीं हैं। कई बार उचित प्रयोगशाला जाँच के बिना खाद्य पदार्थों में मिलावट की पहचान करना कठिन होता है।

मिठाइयों और त्योहारों के पकवानों में रसायन : खाद्य उद्योग में ताजगी बनाए रखने, बनावट सुधारने, स्वाद बढ़ाने और आकर्षक रूप बनाए रखने के लिए खाद्य योजकों का इस्तेमाल किया जाता है। कई स्वीकृत खाद्य योजक निर्धारित कानूनी सीमाओं के भीतर इस्तेमाल किए जाने पर सुरक्षित होते हैं। वास्तविक खतरा तब पैदा होता है, जब निर्माता या विक्रेता प्रतिबंधित रसायनों का उपयोग करते हैं, निर्धारित सीमा से अधिक मात्रा मिलाते हैं या उत्पादों में इस्तेमाल की गई वास्तविक सामग्री को छिपाते हैं।

कुछ गैर-अनुमत औद्योगिक रंगों का अवैध रूप से मिठाइयों, मसालों, सॉस और अन्य खाद्य पदार्थों को रंगने के लिए उपयोग किया जा सकता है। इनमें से कुछ पदार्थ स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकते हैं। इसी तरह, परिरक्षकों का दुरुपयोग या दूध से बने उत्पादों में अनुपयुक्त रसायनों का मिश्रण उपभोक्ताओं के लिए नुकसानदेह हो सकता है।

कृषि उत्पादों में कीटनाशकों के अवशेष, दूषित सामग्री में भारी धातुएँ और अनुपयुक्त पैकेजिंग से भोजन में रसायनों का पहुँचना भी चिंता के विषय हैं। गलत तरीके से भंडारण और अस्वच्छ परिस्थितियों में भोजन तैयार करने से सूक्ष्मजीवों द्वारा संदूषण भी हो सकता है। यह रासायनिक मिलावट से अलग, लेकिन उतनी ही महत्वपूर्ण

खाद्य सुरक्षा की समस्या है।

स्वीकृत खाद्य योजकों के उचित इस्तेमाल और खतरनाक पदार्थों के अवैध उपयोग के बीच अंतर समझना आवश्यक है। खाद्य उत्पादन में वैज्ञानिक मानकों, पारदर्शी लेबलिंग और खाद्य सुरक्षा नियमों का कड़ाई से पालन होना चाहिए।

दूषित भोजन से स्वास्थ्य को खतरे : दूषित भोजन के सेवन से होने वाले स्वास्थ्य संबंधी नुकसान इस बात पर निर्भर करते हैं कि कौन-सा पदार्थ मौजूद है, उसकी कितनी मात्रा शरीर में गई है और कितने समय तक उसके संपर्क में रहा गया है। कुछ जहरीले रसायनों के संपर्क में आने से मतली, उल्टी, पेट दर्द, चक्कर आना और विषाक्तता के अन्य लक्षण हो सकते हैं। गंभीर मामलों में तत्काल चिकित्सा सहायता की आवश्यकता पड़ सकती है। कुछ हानिकारक दूषित पदार्थों, जैसे भारी धातुओं और कीटनाशकों के लगातार संपर्क में रहने से तंत्रिका तंत्र, गुर्दों या यकृत को नुकसान पहुँच सकता है। कुछ पदार्थ प्रजनन संबंधी समस्याओं, विकास पर प्रतिकूल प्रभाव या विशेष प्रकार के कैंसर के बढ़ते जोखिम से भी जुड़े पाए गए हैं। हालाँकि, अलग-अलग रसायनों के खतरे अलग होते हैं और किसी खाद्य पदार्थ में अवशेष की मौजूदगी अपने आप यह साबित नहीं करती कि उसे खाने से बीमारी अवश्य होगी।

खराब स्वच्छता, असुरक्षित पानी, पर्याप्त प्रशीतन की कमी या अनुचित भंडारण के कारण बैक्टीरिया और अन्य सूक्ष्मजीवों से होने वाले खाद्यजनित संक्रमण भी फैल सकते हैं। कभी-कभी ऐसे संक्रमणों को रसायनों का प्रभाव समझ लिया जाता है, जबकि वास्तविक कारण सूक्ष्मजीवों से हुआ संदूषण होता है।

बच्चे, बुजुर्ग, गर्भवती महिलाएँ और कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले लोग कुछ खाद्य जोखिमों के प्रति अधिक संवेदनशील हो सकते हैं। इसलिए खाद्य सुरक्षा को केवल उपभोक्ता की पसंद का विषय नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य की प्राथमिकता माना जाना चाहिए।

खाद्य कारोबारियों और अधिकारियों की जिम्मेदारी : खाद्य सुरक्षा की पूरी जिम्मेदारी उपभोक्ताओं पर नहीं डाली जा सकती। खाद्य निर्माता, मिठाई की दुकानों के मालिक, थोक व्यापारी, खुदरा विक्रेता और नियामक संस्थाएँ-सभी की इसमें महत्वपूर्ण भूमिका है।

खाद्य कारोबारियों को विश्वसनीय आपूर्तिकर्ताओं से सामग्री खरीदनी चाहिए, परिसर को स्वच्छ रखना चाहिए, जल्दी खराब होने वाले खाद्य पदार्थों को उचित तापमान पर संग्रहित करना चाहिए और केवल स्वीकृत सामग्री तथा खाद्य योजकों का उपयोग करना चाहिए। जहाँ आवश्यक हो, उत्पादों पर सही लेबल, निर्माण संबंधी विवरण और समाप्ति तिथि या उपयोग की अंतिम तिथि स्पष्ट रूप से लिखी जानी चाहिए। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को नियमित निरीक्षण करना चाहिए, नमूने एकत्र करने चाहिए और मिठाइयों, दुग्ध उत्पादों, खाद्य तेलों, मसालों तथा अन्य मिलावट की आशंका वाले खाद्य पदार्थों की प्रयोगशालाओं में जाँच करवानी चाहिए। असुरक्षित उत्पाद बनाने या बेचने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। ऐसी सार्वजनिक शिकायत प्रणालियाँ भी होनी चाहिए, जिनके माध्यम से उपभोक्ता संदिग्ध मिलावट की सूचना आसानी से दे सकें।

बुढ़ापा और रोग प्रतिरोधक क्षमता : टीकाकरण का महत्व

डॉ. विजय गर्ग

बुढ़ापा जीवन की एक प्राकृतिक प्रक्रिया है, लेकिन जीवन के इस पड़ाव में अच्छे स्वास्थ्य और आत्मनिर्भरता को बनाए रखने के लिए विशेष ध्यान देने की आवश्यकता होती है। उम्र बढ़ने के साथ शरीर में कई बदलाव आते हैं, जिनमें रोग प्रतिरोधक प्रणाली का धीरे-धीरे कमजोर होना भी शामिल है। इसके कारण बुजुर्गों में संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है और इन्फ्लुएंजा, निमोनिया, कोविड-19 तथा शिंगल्स जैसी बीमारियों की गंभीर जटिलताएँ होने की आशंका भी अधिक हो जाती है। ऐसी स्थिति में टीकाकरण स्वास्थ्य की रक्षा, बीमारियों की रोकथाम और स्वस्थ वृद्धावस्था को बढ़ावा देने का एक महत्वपूर्ण साधन है।

रोग प्रतिरोधक प्रणाली शरीर को वायरस और बैक्टीरिया जैसे हानिकारक सूक्ष्मजीवों से बचाती है। लेकिन उम्र बढ़ने के साथ यह प्रणाली संक्रमणों को पहचानने और उनसे लड़ने में पहले जितनी प्रभावी नहीं रह जाती। इस प्रक्रिया को वैज्ञानिक भाषा में 'इम्यूनोसेनेसेंस' कहा जाता है। इसके कारण शरीर की नए संक्रमणों और टीकों के प्रति प्रतिक्रिया करने की क्षमता कम हो सकती है।

बुजुर्गों में मधुमेह, हृदय रोग, सांस संबंधी समस्याएँ और गुर्दों की

बीमारियाँ जैसी दीर्घकालिक स्वास्थ्य समस्याएँ भी अधिक पाई जाती हैं। ये बीमारियाँ संक्रमण होने पर गंभीर जटिलताओं का खतरा बढ़ा सकती हैं। कुछ बुजुर्गों में पोषक तत्वों की कमी, शारीरिक गतिविधियों में कमी और स्वास्थ्य सेवाओं तक सीमित पहुँच भी उनकी संवेदनशीलता बढ़ा सकती है।

इसलिए जो संक्रमण किसी युवा व्यक्ति में हल्की बीमारी पैदा करता है, वही बुजुर्ग के लिए अस्पताल में भर्ती होने या लंबे समय तक स्वस्थ होने में कठिनाई का कारण बन सकता है। इसी वजह से वृद्धावस्था में बीमारियों की रोकथाम विशेष रूप से महत्वपूर्ण है।

टीके शरीर की रोग प्रतिरोधक प्रणाली को विशेष रोग पैदा करने वाले जीवाणुओं या वायरस की पहचान करना और उनके संपर्क में आने पर अधिक प्रभावी प्रतिक्रिया देना सिखाते हैं। हालाँकि कोई भी टीका प्रत्येक संक्रमण को पूरी तरह नहीं रोक सकता, लेकिन कई टीका-रोकथाम योग्य बीमारियों में यह गंभीर बीमारी, जटिलताओं और मृत्यु के खतरे को काफी हद तक कम कर सकता है।

बुजुर्गों के लिए टीकाकरण केवल बचपन की स्वास्थ्य आवश्यकता नहीं है। यह वयस्क जीवन के दौरान भी निवारक स्वास्थ्य देखभाल का महत्वपूर्ण हिस्सा बना रहता है।

1. इन्फ्लुएंजा का टीका- मौसमी फ्लू बुजुर्गों में गंभीर जटिलताएँ पैदा कर सकता है, विशेषकर उन लोगों में जिन्हें पहले से कोई बीमारी है। चिकित्सक की सलाह के अनुसार हर वर्ष लगाया जाने वाला फ्लू का टीका गंभीर बीमारी के खतरे को कम करने में मदद कर सकता है।

2. न्यूमोकोकल टीके- न्यूमोकोकल बैक्टीरिया निमोनिया, रक्त संक्रमण और मस्तिष्क की झिल्लियों में सूजन जैसी गंभीर बीमारियों का कारण बन सकते हैं। पात्र बुजुर्गों, विशेषकर कुछ दीर्घकालिक बीमारियों से पीड़ित लोगों को चिकित्सकीय सलाह और संबंधित दिशानिर्देशों के अनुसार इन टीकों से लाभ मिल सकता है।

3. कोविड-19 के टीके- कोविड-19 बुजुर्गों के लिए अधिक खतरनाक हो सकता है। वर्तमान स्वास्थ्य दिशानिर्देशों के अनुसार अनुशंसित टीकाकरण कराने से गंभीर बीमारी, अस्पताल में भर्ती होने और मृत्यु के खतरे को कम करने में मदद मिल सकती है। टीके की आवश्यकता व्यक्ति की पिछली खुराकों, स्वास्थ्य स्थिति और वर्तमान दिशानिर्देशों पर निर्भर करती है।

4. शिंगल्स का टीका- शिंगल्स एक ऐसी बीमारी है जो चिकनपॉक्स पैदा करने वाले वायरस के दोबारा

सक्रिय होने से होती है। उम्र बढ़ने के साथ इसका खतरा बढ़ जाता है। इससे शरीर पर दर्दनाक छाले हो सकते हैं और कई बार छाले ठीक होने के बाद भी लंबे समय तक दर्द बना रहता है। पात्र वयस्कों के लिए स्थानीय दिशानिर्देशों और टीके की उपलब्धता के अनुसार यह टीका उपयोगी हो सकता है।

5. टेटनस और अन्य टीके- बुजुर्गों को अपने टीकाकरण के पुराने रिकॉर्ड, स्वास्थ्य स्थिति, यात्रा की योजनाओं और अन्य जोखिमों के आधार पर टेटनस के बूस्टर या दूसरे टीकों की आवश्यकता हो सकती है। कुछ लोगों के लिए हेपेटाइटिस-बी और अन्य टीके भी उपयुक्त हो सकते हैं। प्रत्येक बुजुर्ग के लिए एक ही टीकाकरण कार्यक्रम उपयुक्त नहीं होता। टीकों का चयन उम्र, चिकित्सा इतिहास, पहले लगाए गए टीकों, उपलब्धता और संबंधित स्वास्थ्य दिशानिर्देशों के अनुसार किया जाना चाहिए। टीकाकरण के लाभ केवल संक्रमण से बचाव तक सीमित नहीं हैं। गंभीर बीमारियों से बचाव बुजुर्गों की चलने-फिरने की क्षमता, आत्मनिर्भरता और जीवन की गुणवत्ता बनाए रखने में मदद कर सकता है। इससे अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता, परिवार पर आर्थिक बोझ और दैनिक जीवन में आने वाली बाधाएँ कम हो सकती हैं।

पुलिस टीमों ने जुआ खेलने वाले आधा दर्जन से अधिक लोगों को किया गिरफ्तार

जालौन, जीएनएस।
नगर में हार जीत की बाजी लगाकर सात लोग अलग-अलग जगह जुए खेल को अंजाम दे रहे थे वही चौकी प्रभारियों ने उपरोक्त जुआरियों को गिरफ्तार किया 8520 नगदी रुपए तास के पत्ते बरामद किये इस गिरफ्तारी से जुआरियों बीच हड़कंप मच गया।
बताते चलें महमूदपुरा चौकी प्रभारी दिलीप कुमार मिश्रा पुलिस बल के साथ नगर में भ्रमण कर रहे थे वही जुए की सूचना पाकर पहुंची पुलिस टीम ने मोहल्ला राम चबूतरा निवासीगण समी खान पुत्र वसीम खान जहीर पुत्र जहांगीर शकील पुत्र शब्बीर खान समेत तीनों लोग उक्त मोहल्ले में

सार्वजनिक स्थान पर हार जीत की बाजी लगाकर पत्ते फेंक रहे थे वहीं पुलिस टीम ने जुए के अड्डे को चारों तरफ घेर कर गिरफ्तार किया साथ में माल फड़ 3140 रुपए जामा तलाशी में 1020 रुपए एवं ताश की गड़ी बरामद की इसी क्रम में टरननगंज प्रभारी सुरेश चंद्र सिपाही अभिषेक अभिनीश आदि पुलिस बल साथ नगर में भ्रमण कर रहे थे वही जुए की सूचना पाकर पहुंची।
पुलिस टीम ने राम चबूतरा निवासी गण जमाल पुत्र बुलाकी राशिद पुत्र मजीद अब्दुल अकरम पुत्र जफर मेहराब पुत्र मैहर खान समेत चारों लोग उक्त मोहल्ले में सार्वजनिक स्थान पर ताश की पत्ते

फेंक कर हार जीत की बाजी लगाकर जुआ खेल रहे थे तभी पुलिस टीम ने चारों तरफ अड्डे को घेर कर उपरोक्त लोगों को गिरफ्तार किया तथा साथ में मालफड में 4060 रुपए जामा तलाशी में 305 रुपए ताश की गड़ी बरामद की उक्त घटनाओं में कालपी पुलिस ने अभियुक्तों खिलाफ तेरा जी जुआ एक्ट के तहत अलग-अलग मुकदमा कायम कर विवेचना उप निरीक्षक अजय प्रताप सिंह उप निरीक्षक सुनील कुमार दोनों को अलग-अलग मुकदमे की जांच हेतु जिम्मेदारी सौंपी कालपी पुलिस ने 7 जुआरियों को सारी औपचारिक उर्ई कराकर मुचालका भरकर कोतवाली से छोड़ा।

रावण धू-धू कर जला बुराइयों का अंत हुई सत्य की जीत

जालौन, जीएनएस।
कड़ी सुरक्षा के चलते विजयदशमी पर्व में 40 फीट ऊंचा रावण पुतला का दहन किया गया स्थापित राम लक्ष्मण हनुमान की पूजा अर्चना कर जयकारों से नगर चहुओर रोमांचक होता हुआ सुशोभित नजर आया मौजूद अधिकारी एवं विधायक तथा गणमान्य लोगों ने एक दूसरे को गले लगा कर पर्व में बधाइयां दी पर्व बड़े धूमधाम से मनाया गया दशहरा पर्व आयोजक डॉ नरेश मैहर उपसंयोजक जय खत्री आदि टीम ने पूर्व की भांति परंपरागत तरीके से एमएसबी इंटर कॉलेज कालपी प्रांगण में 40 फीट ऊंचा रावण

बनाकर प्रांगण में स्थापित किया गया था बुराइयों का अंत सत्य की जीत उपलक्ष में विद्वान पंडित के द्वारा पूजा अर्चना के उपरांत रावण पुतला का दहन किया गया इसके उपरांत लॉटरी सिस्टम के तहत इनाम खोला गया प्रथम द्वितीय तृतीय इनाम प्राप्त करने वाले लोगों को पुरस्कार देकर उत्साहवर्धन किया वहीं पूर्व की भांति मेले का आयोजन किया गया मौजूद दर्शकों ने जमकर मेले का आनंद लिया इसके उपरांत मौजूद लोगों ने एक दूसरे को त्योहार के पर्व में शुभकामनाएं देने का सिलसिला कई घंटे चला रहा मौके में उप जिलाधिकारी विनय कुमार मौर्य सीओ राजेश कमल प्रभारी निरीक्षक

अजय ब्रह्म तिवारी अतिरिक्त कानून इंस्पेक्टर अरुण कुमार वरिष्ठ उप निरीक्षक उदय प्रताप सिंह विधायक विनोद चतुर्वेदी पूर्व विधायक डॉ अरुण मेहरोत्रा पूर्व विधायक नरेंद्र सिंह जादौन पालिका अध्यक्ष अरविंद यादव विधायक प्रतिनिधि पुत्र आशीष चतुर्वेदी अशोक बाजपेई प्रेस क्लब के अध्यक्ष मनोज चतुर्वेदी अतुल गुप्ता उर्फ सिटू पालिका प्रधान लेखाकार हरिभूषण सिंह चौहान जिला उपाध्यक्ष अमित पांडे नगर अध्यक्ष सुबोध द्विवेदी नगर उपाध्यक्ष संजय सबिता उपाध्यक्ष राकेश पुरवार हर्षित खन्ना आकाश द्विवेदी उर्फ छोटू विधायक अरुण कुमार बाजपेई आदि।

किसानों ने लगाया मंडी गेट पर जाम



कहना है कि मलार की कच्ची पर्ची और गेट पास से जुड़ी समस्याओं के कारण उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, मंडी का कोई भी जिम्मेदार अधिकारी नहीं पहुंचा उनके बीच।

डबरा, जीएनएस।

धान की मंडी में मलार और गेट पास की समस्या को लेकर किसानों ने लगाया मंडी गेट पर जाम, डबरा कृषि उपज मंडी में धान की खरीदी के दौरान मलार की कच्ची पर्ची और गेट पास को लेकर आ रही समस्याओं से नाराज किसानों ने मंडी गेट भितरवार रोड पर लगाया जाम। किसानों का

किसानों ने स्पष्ट किया है कि जब तक इन समस्याओं का समाधान नहीं किया जाता, तब तक मंडी गेट पर उनका जाम जारी रहेगा। अब देखना होगा कि मंडी प्रबंधन और प्रशासन किसानों की समस्याओं का समाधान करने के लिए क्या कदम उठाते हैं और मंडी में धान की खरीदी व्यवस्था कब तक सुचारु हो पाती है।

सड़क दुर्घटना में आधा दर्जन से अधिक मासूम बच्चा सहित घायल गंभीर स्थिति में दो जिला अस्पताल रिफर

जालौन, जीएनएस।

42 वर्षीय अवधेश पुत्र राम किशोर निवासी जनपद औरैया ग्राम अनंतपुर 34 वर्षीय दीपक पुत्र सुरेश 28 वर्षीय विनोद पुत्र सुरेश निवासी राम चबूतरा कालपी 26 वर्षीय दिलशाद पुत्र शादाब अली निवासी जनपद प्रतापगढ़ 28 वर्षीय रूबी देवी पत्नी भारत 30 वर्षीय भारत पुत्र परमलाल 5 वर्षीय काव्य पुत्री भारत थाना कोच ग्राम पड़री समेत सड़क पर सफर करते वक्त अज्ञात वाहनों की टक्कर से बुरी तरह

घायल हुए घटना में सूचना पाकर पहुंची एंबुलेंस के कर्मियों ने अलग-अलग सड़क पर पड़े घायल लोगों को उठाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कालपी में इलाज हेतु भर्ती कराया अस्पताल में मौजूद चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर विशाल सचान ने घायलों की अलग-अलग समय मे जांच की गंभीर स्थिति पर दिलशाद अवधेश दोनों घायलों को जिला अस्पताल उर्ई रिफर किया शेष घायलों का स्वास्थ्य टीम लगाकर इलाज शुरू किया।

भू- माफियाओं के मंसूबों पर फिर पानी- अवैध कालोनी काटने की कोशिश पर नयायालय अनुविभागीय (राजस्व) अधिकारी गुना शिवानी पाठक ने लगाई रोक

मिली जानकारी के अनुसार आदिवासी की भूमि पर अवैध तरीके से कालोनी काटने पर प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए रोक लगा दी है बिना अनुमति रिहायशी कालोनी काटने की पूरी तैयारी की जा रही थी।

एसडीएम गुना शिवानी पाठक ने की बड़ी कार्रवाई- गुना जिले के ग्राम बोरखेड़ागिर्द पंचायत पांक्ष तहसील गुना के भूमि सर्वे नं 40/1 और 40/3 की भूमि (खरीद- फरोख्त) पर लगी रोक लगाई

??(भू- माफियाओं द्वारा कालोनी काटने की थी पूरी तैयारी रातों रात करोड़ों की कमाई पर लगा ग्रहण) अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) अनुभाग गुना शिवानी पाठक द्वारा एक बड़ा आदेश जारी किया गया है, प्रशासन ने क्षेत्र के सर्वे नं 40/1 और 40/3 पर स्थित भूमि के पलाटो की बिक्री- (खरीद-फरोख्त) और उनके वैधानिक पंजीयन (रजिस्ट्री) पर तत्काल प्रभाव से पूरी तरह रोक लगा दी है इस संबंध में तहसीलदार गुना को कार्यवाही करने के लिए 31/08/2026 को पत्र भी जारी किया गया है

??मामले का मुख्य कारण प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार ? जिलदबंदोवस्त में यह भूमि सर्वे नंबर 40 गंगोला पुत्र रतना जाति शहरिया नि. गादेर के नाम दर्ज है, ??अवैध निर्माण पर रोक राजस्व विभाग की टीम ने मोके पर पहुंचकर बिना वैध अनुमति चल रहे निर्माण कार्य को तुरंत रूकवा दिया गया है

??नियमों का उलंघन- म प्र भू-राजस्व संहिता के तहत आदिवासी की जमीन को बिना कलेक्टर की अनुमति के गैर आदिवासी को नहीं बेचा जा सकता है भू- माफियाओं ने इस नियम को दरकिनार करते हुए दोखा- धड़ी से फर्म के नाम जमीनों के सौदे किए थे!

विवादित जमीनों के नामांतरण और रजिस्ट्री पर आगामी आदेश तक पूरी तरह से रोक लगा दी है। सर्वे नं 40/1 रकवा 0.797 है.सुखवती पतनी लीलाधर तेकाम निवासी पिछोर जिला शिवपुरी के नाम खसरे में भूमि आ रही है ओर सर्वे नं 40/3 रकवा 0.796 है. सुखवती पतनी लीलाधर तेकाम निवासी पिछोर जिला शिवपुरी के नाम खसरे में

भूमि आ रही है इनके द्वारा बिना वैध अनुमति के अवैध कालोनी विकसित करने, निर्माण करने पर ग्राम बोरखेड़ागिर्द के तहत भूमि का आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन (डायवरजन)के उलंघन करते हुए निर्माण किया गया है, क्षेत्र में आम जनता को धोखाधड़ी से बचाने ओर शासकीय नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए उप पंजीयक को निरदेशित किया गया है कि ग्राम बोरखेड़ागिर्द स्थित भूमि सर्वे नं 40/1 मेसे एवं सर्वे नं 40/3 मेसे प्लॉट के बिक्रय पत्र का पंजीयन नहीं करने के आदेश जारी किये गये

सूत्रों के अनुसार इस प्रकरण में एक बड़े भू- माफिया का हाथ नजर आ रहा है जिस पर बेनामी संपत्ति का भंडार है नहीं तो इतना रूपया आदिवासियों पर कहीं से आएगा,जो पिछोर छोड़कर गुना आकर कालोनी काटने की हिम्मत करे जिसकी गुना में किसी से जान ना पहचान हो

अधिकारियों/करमचारियों पर कार्रवाई: इसमें संलिप्त रहने वाले दोषी राजस्व अधिकारियों /करमचारियों या रजिस्टार कार्यालय के करमचारियों पर भी

विभागीय जांच ओर गाज गिर सकती है क्योंकि आदिवासी भूमि की बिना वैध अनुमति के की गई खरीद- बिक्री कानूनन पूरी तरह अवैध है

1- कोई भी नागरिक इन प्रतिबंधित सर्वे नंबरों पर प्लॉट खरीदने का सौदा ना करे

2- यदि कोई (कालोनाईजर) इस भूमि पर खरीद- बिक्री की कोशिश करता है तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी

3- पंजीयन कार्यालय को भी आदेशित किया गया है कि वे इन दोनों नंबरों से जुड़े दस्तावेज का आनलाईन या आफलाइन ई-पंजीयन स्वीकार न करें

अवैध कालोनी में निवेश करने से बचें

प्लॉट खरीदने से पेहले सरकारी रिकॉर्ड में जमीन के मूल मालिक की जाति ओर जमीन की प्रकति की अच्छी तरह से जांच करले भविष्य के लिए खतरा 20-30 साल बाद भी अगर आदिवासी की भूमि है तो उनके परिवार के बच्चे या पोते कोर्ट में दावा करके उस जमीन पर अपना हक जमा सकते हैं सावधान रहें।

मीरापुर बसहीं में 'द फैशन हब' का भव्य शुभारंभ,मेन्स वियर कपड़ों और जूतों की मिलेगी आकर्षक रेंज

वाराणसी, जीएनएस।

टकटकपुर गैस गोदाम से मीरापुर बसहीं रोड स्थित गांधी चबूतरा के पास पुरुषों के कपड़ों एवं जूतों के नए प्रतिष्ठान 'द फैशन हब मेन्स वियर एंड शूज' का भव्य उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया 7 प्रतिष्ठान के शुभारंभ अवसर पर क्षेत्र के व्यापारियों, गणमान्य नागरिकों एवं शुभचिंतकों की उपस्थिति रही सभी ने प्रतिष्ठान के संचालकों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की 7 प्रतिष्ठान के अधिष्ठाता अनीश पटेल ने बताया कि उनकी माता मुन्नी देवी

और भतीजी श्रेया और आंचल के हाथों प्रतिष्ठान का शुभारंभ किया गया यह उनका पहला व्यवसायिक प्रतिष्ठान है जहां ग्राहकों को उचित मूल्य पर अच्छी गुणवत्ता के कपड़े और जूते उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया है 7 उन्होंने बताया कि उद्घाटन के अवसर पर ग्राहकों के लिए विशेष ऑफर के तहत एक हजार रुपये में चार शर्ट उपलब्ध कराई जा रही हैं उनका उद्देश्य कम कीमत में बेहतर गुणवत्ता के उत्पाद उपलब्ध कराकर ग्राहकों का विश्वास जीतना है। मनीष पटेल ने बताया कि 'द फैशन हब' में पुरुषों के लिए



शर्ट,टी-शर्ट,ट्राउजर सहित विभिन्न प्रकार के कपड़े और जूतों की आकर्षक रेंज उपलब्ध है उन्होंने कहा कि प्रतिष्ठान में ग्राहकों की जरूरत,पसंद और बजट को ध्यान

में रखते हुए किफायती दरों पर टिकाऊ एवं गुणवत्तापूर्ण उत्पाद उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया गया है उन्होंने क्षेत्रवासियों से प्रतिष्ठान को सेवा का अवसर देने

की अपील की। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मीरापुर बसहीं व्यापार मंडल की अध्यक्ष अनीता पटेल उपस्थित रहीं 7 विशिष्ट अतिथियों में व्यापार मंडल के कोषाध्यक्ष संग्राम सिंह पटेल,किशन सेठ, चंद्रशेखर मौर्य तथा व्यापार मंडल के पूर्व अध्यक्ष मृत्युंजय सोनकर शामिल रहे 7 अतिथियों ने प्रतिष्ठान के शुभारंभ पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि नए व्यवसायिक प्रतिष्ठानों के खुलने से स्थानीय बाजार को मजबूती मिलती है और क्षेत्रीय ग्राहकों को खरीदारी के लिए बेहतर विकल्प

उपलब्ध होते हैं । उन्होंने प्रतिष्ठान के संचालकों को शुभकामनाएं देते हुए आशा जताई कि 'द फैशन हब' अपनी गुणवत्ता,उचित कीमत और बेहतर ग्राहक सेवा के माध्यम से क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाएगा 7 कार्यक्रम में प्रतिष्ठान के अधिष्ठाता अनीश पटेल,मनीष पटेल,राजकुमार पटेल उर्फ राजा,अविनाश पटेल उर्फ सोनू,धर्मेन्द्र पटेल,विशाल पटेल सहित अन्य लोग उपस्थित रहे 7 समारोह का माहौल उत्साहपूर्ण रहा और सभी ने प्रतिष्ठान की निरंतर प्रगति की कामना की।

जवाबदेह पुलिस व्यवस्था से ही बनेगा सुरक्षित उत्तर प्रदेश

सौरभ वाण्यो

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर यह संदेश दिया कि नए उत्तर प्रदेश में कानून से ऊपर कोई नहीं है और अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करने के लिए पुलिस को पूरी स्वतंत्रता दी गई है। मुख्यमंत्री के अनुसार, इसी स्वतंत्रता के कारण प्रदेश की पहचान उपद्रव से उत्सव की ओर बदली है। उनका यह वक्तव्य प्रदेश की कानून-व्यवस्था को लेकर सरकार की प्राथमिकताओं और पुलिस की भूमिका को रेखांकित करता है। निस्संदेह, किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में शांति, सुरक्षा और कानून का शासन विकास की बुनियादी शर्तें हैं। लेकिन कानून के राज की वास्तविक सफलता केवल सख्त कार्रवाई के दावों से नहीं, बल्कि आम नागरिक के मन में सुरक्षा के विश्वास, न्याय की उपलब्धता और प्रशासन की निष्पक्षता से तय होती है।

पुलिस स्मृति दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं है, बल्कि उन वीर पुलिसकर्मियों के सर्वोच्च बलिदान को याद करने का अवसर है, जिन्होंने देश और समाज की रक्षा करते हुए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। पुलिस का दायित्व केवल अपराधियों को पकड़ना या कानून का पालन कराना नहीं है, बल्कि संकट के समय नागरिकों की सहायता करना, कमजोर वर्गों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और समाज में विश्वास का वातावरण तैयार करना भी है। कर्तव्य के प्रति समर्पण, साहस और अनुशासन पुलिस सेवा की पहचान हैं। ऐसे में शहीद

पुलिसकर्मियों को सच्ची श्रद्धांजलि तभी सार्थक होगी, जब पुलिसकर्मियों की सुरक्षा, उनके कार्य करने की परिस्थितियों, आधुनिक संसाधनों और पेशेवर प्रशिक्षण को लगातार बेहतर बनाया जाए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वर्ष 2017 से पहले की कानून व्यवस्था का उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय प्रदेश में माफिया और अराजक तत्वों का प्रभाव था। मथुरा के जवाहर बाग जैसी घटनाएं इस बात की याद दिलाती हैं कि कानून-व्यवस्था की चुनौतियां कितनी गंभीर हो सकती हैं और उनसे निपटने में पुलिसकर्मियों को किस तरह की परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। वर्तमान सरकार का दावा है कि अपराधियों के विरुद्ध कार्रवाई में राजनीतिक या प्रशासनिक दबाव को बाधा नहीं बनने दिया जा रहा। यदि इस नीति को निष्पक्षता और निरंतरता के साथ लागू किया जाता है, तो इससे कानून के प्रति लोगों का भरोसा मजबूत हो सकता है।

हालांकि, किसी भी सरकार के लिए यह आवश्यक है कि वह कानून व्यवस्था में सुधार का आकलन केवल अपनी उपलब्धियों के आधार पर न करे, बल्कि स्वतंत्र आंकड़ों, अपराध के बदलते स्वरूप और नागरिकों के अनुभवों को भी महत्व दे। अपराध पर नियंत्रण का अर्थ केवल गिरफ्तारी और संपत्ति जब्त करने की संख्या बढ़ाना नहीं है। वास्तविक उपलब्धि तब मानी जाएगी, जब महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों, व्यापारियों, किसानों और समाज के कमजोर वर्गों को

सुरक्षित वातावरण मिले। शिकायत दर्ज कराने के लिए नागरिकों को परेशान न होना पड़े, पीड़ितों को समय पर सहायता मिले और अपराध की जांच निष्पक्ष ढंग से पूरी हो। पुलिस की सक्रियता के साथ-साथ न्यायिक प्रक्रिया की गति और अभियोजन की गुणवत्ता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है।

मुख्यमंत्री ने पुलिस व्यवस्था को अधिक सक्षम और आधुनिक बनाने के लिए 2.26 लाख से अधिक पुलिसकर्मियों की भर्ती, प्रशिक्षण क्षमता में दस गुना वृद्धि, सात बड़े शहरों में पुलिस आयुक्त प्रणाली लागू करने, प्रत्येक जिले में साइबर थाने स्थापित करने और सभी थानों में महिला सहायता कक्षों की व्यवस्था जैसे कदमों का उल्लेख किया। इन पहलों का उद्देश्य पुलिस को बदलती सामाजिक और तकनीकी चुनौतियों के अनुरूप तैयार करना है। बढ़ती आबादी और तेजी से शहरीकरण के बीच उत्तर प्रदेश जैसे विशाल राज्य में पुलिस बल की संख्या, उसकी दक्षता और संसाधनों का विस्तार आवश्यक है। नई भर्तियों से पुलिस पर काम का दबाव कम करने, गश्त बढ़ाने और नागरिकों तक सेवाएं पहुंचाने में मदद मिल सकती है।

लेकिन भर्ती के साथ प्रशिक्षण की गुणवत्ता पर भी विशेष ध्यान देना होगा। पुलिसकर्मियों को कानून, मानवाधिकार, साइबर अपराध, फॉरेंसिक जांच, डिजिटल साक्ष्य और सामुदायिक पुलिसिंग का व्यावहारिक ज्ञान होना चाहिए। केवल आधुनिक हथियार और तकनीकी उपकरण उपलब्ध करा देना पर्याप्त नहीं है। पुलिस की कार्यशैली में संवेदनशीलता, धैर्य और पेशेवर व्यवहार भी उतना ही

जरूरी है। किसी पीड़ित की शिकायत सुनने से लेकर अपराध की जांच पूरी करने तक हर स्तर पर जवाबदेही सुनिश्चित होनी चाहिए। पुलिस की प्रतिष्ठा उसके अधिकारों से ही नहीं, बल्कि उन अधिकारों के जिम्मेदार इस्तेमाल से भी बनती है।

आज साइबर अपराध एक बड़ी चुनौती बनकर उभरा है। ऑनलाइन ठगी, पहचान की चोरी, डिजिटल भुगतान से संबंधित धोखाधड़ी और सोशल मीडिया के माध्यम से किए जाने वाले अपराधों ने पुलिस के सामने नई जिम्मेदारियां खड़ी कर दी हैं। प्रत्येक जिले में साइबर थानों की स्थापना एक उपयोगी कदम है, लेकिन इन थानों में प्रशिक्षित कर्मचारियों, आधुनिक तकनीक और त्वरित कार्रवाई की व्यवस्था भी जरूरी है। आम नागरिकों को साइबर अपराध की शिकायत दर्ज कराने में सरलता मिलनी चाहिए। इसी तरह महिला सहायता कक्षों की स्थापना तभी प्रभावी होगी, जब महिलाओं की शिकायतों को गंभीरता से सुना जाए, उनकी गोपनीयता सुरक्षित रखी जाए और जरूरत पड़ने पर तत्काल सहायता उपलब्ध कराई जाए।

सरकार ने गैंगस्टर अधिनियम के तहत 88,973 अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई और 15 हजार करोड़ रुपये से अधिक की अवैध संपत्ति जब्त किए जाने का उल्लेख किया है। ये आंकड़े संगठित अपराध और अपराध से अर्जित संपत्ति के विरुद्ध सरकार की कार्रवाई का संकेत देते हैं। अपराध से अर्जित संपत्ति पर कानूनी कार्रवाई संगठित अपराध के आर्थिक आधार को कमजोर करने

का महत्वपूर्ण माध्यम हो सकती है। फिर भी ऐसी कार्रवाई में कानून की निर्धारित प्रक्रिया, पर्याप्त साक्ष्य और निष्पक्ष जांच का पालन अनिवार्य है। किसी व्यक्ति के विरुद्ध कार्रवाई का आधार उसका अपराध होना चाहिए, न कि उसकी राजनीतिक पहचान, सामाजिक स्थिति या किसी अन्य प्रकार का पूर्वाग्रह। कानून की शक्ति तभी विश्वसनीय बनती है, जब उसका प्रयोग सभी के लिए समान हो।

यह भी समझना होगा कि पुलिस को स्वतंत्रता देने का अर्थ उसे जवाबदेही से मुक्त करना नहीं है। पुलिस को अपराधियों के विरुद्ध कार्रवाई करने के लिए पर्याप्त अधिकार और प्रशासनिक सहयोग मिलना चाहिए, लेकिन उन अधिकारों का उपयोग संविधान और कानून की सीमाओं के भीतर होना चाहिए। अवैध हिरासत, हिरासत में हिंसा, झूठे मुकदमे या निर्दोष नागरिकों के उत्पीड़न जैसी किसी भी शिकायत की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। मजबूत पुलिस व्यवस्था वही है, जिसमें अपराधी कानून से भयभीत हो, लेकिन निर्दोष नागरिक पुलिस से भयभीत न हो। अधिकार और जवाबदेही का यही संतुलन लोकतांत्रिक शासन की पहचान है।

उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था का सुधार केवल पुलिस विभाग की जिम्मेदारी नहीं है। इसके लिए न्यायालयों में मामलों के शीघ्र निस्तारण, अभियोजन व्यवस्था को मजबूत करने, जेल सुधार, स्थानीय प्रशासन की सक्रियता और समाज की भागीदारी की भी आवश्यकता है। बेरोजगारी, नशाखोरी, सामाजिक तनाव और स्थानीय विवादों जैसी समस्याओं

के समाधान के लिए भी समन्वित प्रयास किए जाने चाहिए। अपराध होने के बाद कार्रवाई जितनी आवश्यक है, अपराध को पनपने से रोकने के लिए सामाजिक और प्रशासनिक स्तर पर काम करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

पुलिस स्मृति दिवस हमें यह याद दिलाता है कि कानून व्यवस्था केवल सत्ता की प्रतिष्ठा का प्रश्न नहीं, बल्कि नागरिकों के जीवन, स्वतंत्रता और सम्मान से जुड़ा विषय है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का कानून से ऊपर किसी को न मानने का संदेश तभी पूरी तरह सार्थक होगा, जब उसका प्रभाव प्रदेश के हर जिले, हर कस्बे और हर गांव में दिखाई दे। आम नागरिक बिना भय अपनी बात कह सके, पीड़ित को न्याय मिले, महिलाओं को सुरक्षा का भरोसा हो और अपराधी किसी भी प्रभाव या रसूख के सहारे कानून से बच न सके।

नए उत्तर प्रदेश की पहचान केवल सख्त पुलिस कार्रवाई या सरकारी आंकड़ों से नहीं, बल्कि न्यायपूर्ण, सुरक्षित और विश्वासपूर्ण समाज से बनेगी। शहीद पुलिसकर्मियों के बलिदान का वास्तविक सम्मान यही है कि पुलिस व्यवस्था अधिक सक्षम होने के साथ-साथ संवेदनशील, पारदर्शी और जवाबदेह भी बने। कानून का राज तभी मजबूत होगा, जब कानून का भय अपराधियों में और कानून पर विश्वास आम नागरिकों के मन में स्थापित हो। यही सुशासन की कसौटी है और इसी आधार पर उत्तर प्रदेश की कानून-व्यवस्था की वास्तविक सफलता का मूल्यांकन किया जाना चाहिए।

बैंकिंग व्यवस्था में ग्राहकों की निजता कितनी सुरक्षित?

महेंद्र तिवारी

भारत में डिजिटल बैंकिंग का विस्तार हुआ है। आज घर बैठे धन भेजना, बिल जमा करना, ऋण लेना और खाते की जानकारी प्राप्त करना पहले से कहीं अधिक आसान हो गया है। लेकिन तकनीक की इस सुविधा के साथ व्यक्तिगत जानकारी की सुरक्षा का प्रश्न भी गंभीर होता जा रहा है। भारतीय स्टेट बैंक के ग्राहकों से संबंधित जानकारी के डार्क वेब पर उजागर होने की हालिया घटना ने एक बार फिर बैंकिंग व्यवस्था की साइबर सुरक्षा और नागरिकों की निजता को लेकर चिंता बढ़ा दी है।

भारतीय स्टेट बैंक को 16 अक्टूबर को अपने ग्राहकों की जानकारी के संभावित खुलासे के संबंध में सूचना मिली थी। बैंक ने लगभग 3.75 लाख ऑनलाइन अभिलेखों की प्रारंभिक जांच की, जिनमें 3,897 ग्राहक अभिलेखों में व्यक्तिगत पहचान संबंधी जानकारी पाई गई। इनमें नाम, मोबाइल नंबर, जन्मतिथि, ईमेल और आवासीय पते, ग्राहक पहचान

संबंधी विवरण तथा ऋण और अन्य अभिलेखों से जुड़ी जानकारी शामिल बताई गई है। बैंक ने मामले की विस्तृत जांच के लिए स्वतंत्र साइबर सुरक्षा संस्था को नियुक्त किया है। साथ ही यह भी कहा है कि घटना से उसके मुख्य कामकाज, वित्तीय प्रदर्शन और व्यावसायिक निरंतरता पर कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं पड़ा है। हालांकि, आंकड़ों के उजागर होने का वास्तविक स्रोत और पूरा दायरा जांच के बाद ही स्पष्ट होगा।

इस घटना को केवल कुछ हजार ग्राहकों की जानकारी उजागर होने तक सीमित करके नहीं देखा जाना चाहिए। बैंकिंग व्यवस्था विश्वास पर आधारित होती है। ग्राहक अपनी मेहनत की कमाई के साथ अपनी निजी और वित्तीय जानकारी भी बैंक को सौंपता है। यदि यह जानकारी अनधिकृत व्यक्तियों तक पहुंचती है, तो उसके दुरुपयोग की आशंका पैदा होती है। अपराधी ग्राहकों के नाम, जन्मतिथि, मोबाइल नंबर और ऋण संबंधी विवरणों का इस्तेमाल



करके स्वयं को बैंक अधिकारी बताकर फोन कर सकते हैं। वे किसी वास्तविक लेनदेन या ऋण का उल्लेख करके ग्राहक का विश्वास जीतने और उससे गोपनीय जानकारी प्राप्त करने का प्रयास कर सकते हैं। इस प्रकार जानकारी का खुलासा आगे चलकर वित्तीय धोखाधड़ी, पहचान की चोरी और मानसिक परेशानी का कारण बन सकता है।

हालांकि, यह स्पष्ट करना भी आवश्यक है कि व्यक्तिगत जानकारी के उजागर होने का अर्थ

अपने आप बैंक खाते से धन चोरी होना नहीं है। बैंक ने ग्राहकों के खातों की शेष राशि सुरक्षित होने की बात कही है। फिर भी, संभावित खतरे को हल्के में नहीं लिया जा सकता। ग्राहकों को अनजान फोन, संदिग्ध संदेश और अपरिचित कड़ियों से सावधान रहना चाहिए। किसी भी परिस्थिति में अपना एकमुश्त गुप्त संकेतांक, व्यक्तिगत पहचान संख्या अथवा बैंकिंग का गुप्त शब्द किसी के साथ साझा नहीं करना चाहिए। खाते में संदिग्ध गतिविधि दिखाई देने पर

तत्काल बैंक से संपर्क करना चाहिए।

इस प्रकरण में बैंक की जिम्मेदारी केवल जांच कराने तक सीमित नहीं होनी चाहिए। उसे यह पता लगाना होगा कि जानकारी किस माध्यम से बाहर पहुंची, सुरक्षा व्यवस्था में कहां कमी रही और ऐसी घटना की पुनरावृत्ति रोकने के लिए कौन से कदम उठाए गए हैं। यदि कुछ ग्राहक प्रभावित हुए हैं, तो उन्हें समय पर स्पष्ट सूचना देना और सहायता उपलब्ध कराना आवश्यक है। सुरक्षा व्यवस्था में नियमित परीक्षण, सीमित अभिगम, बहुस्तरीय प्रमाणीकरण तथा संदिग्ध गतिविधियों की तत्काल पहचान को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। बाहरी सेवा प्रदाताओं के माध्यम से होने वाले संभावित जोखिमों की भी जांच जरूरी है।

सरकार और नियामक संस्थाओं की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। वित्तीय संस्थानों के लिए साइबर सुरक्षा के स्पष्ट मानक, नियमित अनुपालन जांच और

उल्लंघन की स्थिति में जवाबदेही सुनिश्चित की जानी चाहिए। ग्राहकों की व्यक्तिगत जानकारी की सुरक्षा को केवल तकनीकी विभाग का दायित्व मानना पर्याप्त नहीं होगा। इसके लिए बैंक के प्रबंधन से लेकर प्रत्येक कर्मचारी तक सतर्कता और जिम्मेदारी की संस्कृति विकसित करनी होगी।

डिजिटल बैंकिंग आधुनिक अर्थव्यवस्था की आवश्यकता है, लेकिन इसकी सफलता केवल तेज सेवाओं और सुविधाजनक लेनदेन से नहीं मापी जा सकती। वास्तविक सफलता तब होगी, जब ग्राहक बिना भय के अपनी मेहनत की कमाई बैंक में रख सके और उसे विश्वास हो कि उसकी निजी जानकारी सुरक्षित है। एसबीआई से जुड़ी यह घटना याद दिलाती है कि तकनीकी प्रगति के साथ सुरक्षा, पारदर्शिता और जवाबदेही को भी समान महत्व देना होगा। ग्राहक का विश्वास किसी भी बैंक की सबसे बड़ी पूंजी है और उसकी रक्षा करना बैंकिंग व्यवस्था की अनिवार्य जिम्मेदारी है।

आकर्षक झांकियों, सुंदर विमानों, गरबा-डांडिया और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा मन, अतिथियों ने की महाआरती

श्री नवदुर्गा सांस्कृतिक समारोह मंडल का देवी विसर्जन समारोह भव्यता के साथ संपन्न

शिवपुरी जीएनएस

श्री नवदुर्गा सांस्कृतिक समारोह मंडल के तत्वावधान में नवरात्रि के समापन अवसर पर आयोजित देवी विसर्जन समारोह भव्यता और श्रद्धा के साथ संपन्न हुआ। माधव चौक चौराहे पर सजाए गए भव्य मंच से शहर के विभिन्न स्थानों पर स्थापित देवी प्रतिमाओं की मनमोहक झांकियों एवं आकर्षक विमानों का स्वागत किया गया। पूरे आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं में उत्साह और भक्ति का माहौल रहा। स्थानीय बच्चों की डांस, डांडिया, गरबा और योग की शानदार प्रस्तुतियों के साथ बाहर से आए कलाकारों की प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को यादगार बना दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आईटीबीपी के डीआईजी राजीव लोचन शुक्ला रहे, जबकि अध्यक्षता डीएफओ सुधांशु यादव



ने की। अतिथियों एवं समिति सदस्यों ने माता रानी की आरती और श्रीगणेश वंदना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मंडल अध्यक्ष तरुण अग्रवाल ने स्वागत भाषण दिया तथा समिति सदस्यों ने अतिथियों का स्वागत किया। मंच से गुजरने वाले सभी विमान, झांकी

मंडलों एवं समाजसेवी संस्थाओं का शॉल, श्रीफल और माल्यार्पण कर अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम का संचालन मणिका अध्यक्ष तरुण अग्रवाल ने स्वागत भाषण दिया तथा समिति सदस्यों ने अतिथियों का स्वागत किया। मंच से गुजरने वाले सभी विमान, झांकी

ने जिला पुलिस प्रशासन, नगरपालिका, विद्युत विभाग तथा शहर की धर्मप्रेमी जनता के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने सभी शहरवासियों को दशहरा पर्व की शुभकामनाएं देते हुए आयोजन में मिले सहयोग के लिए धन्यवाद दिया।

संत-महात्माओं एवं गणमान्य अतिथियों की रही उपस्थिति समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में महामंडलेश्वर श्री पुरुषोत्तम दास जी महाराज, पूर्व विधायक प्रहलाद भारती, श्रीमती मंजू दीक्षित (महंत, मंशापूर्णी माता मंदिर), भगवती प्रसाद शुक्ल (राष्ट्रीय अध्यक्ष, सनातन सेना), राजू बाथम, दफेदार सिंह (डीपीसी) एवं महेंद्र सिंह वशिष्ठ उपस्थित रहे। कार्यक्रम में संरक्षक रामविलास गुप्ता, अमन गोयल, राजेश कोचेटा एवं हरजान प्रजापति का समिति सदस्यों ने स्वागत किया। आयोजन के प्रायोजक सुमत गुप्ता, पुरुषोत्तम दास गर्ग, विनायक सेठ, श्रीमती उमा देवी शर्मा, श्रीमती सुषमा पांडेय तथा हम फाउंडेशन की ओर से श्रीमती साधना गुप्ता, श्रीमती साधना शर्मा एवं श्रीमती अर्चना माहेश्वरी का सम्मान किया गया।

विशेष सहयोगी के रूप में भूपेंद्र रावत (पटेल एंड संस) का योगदान रहा। झांकियों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बांधा समा: माधव चौक पर सजे मंच से गुजरने वाली देवी प्रतिमाओं की आकर्षक झांकियों और सुंदर विमानों ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। चल झांकियों का भव्य प्रदर्शन देखने के लिए बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे। स्थानीय बच्चों ने मंच पर डांस, डांडिया, गरबा और योग की प्रस्तुतियां दीं, वहीं बाहर से आए कलाकारों ने भी अपनी कला का प्रदर्शन किया। डांस प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में श्रीमती प्रियंका व्यास, श्रीमती नेत्रा जोशी, श्रीमती टीना गुप्ता एवं श्रीमती दीपा बंसल उपस्थित रहीं। बच्चों की प्रस्तुतियों को दर्शकों ने खूब सराहा और कलाकारों का उत्साहवर्धन किया।

शिवपुरी जिले के विभिन्न विकासखंडों में सुरक्षा जवान एवं सुपरवाइजर भर्ती कैंप 27 से

शिवपुरी जीएनएस

भारतीय सुरक्षा दस्ता परिषद नई दिल्ली एवं भारत सरकार के पसारा एक्ट 2005 के अंतर्गत जिला रोजगार कार्यालय शिवपुरी के सहयोग से सिक्योरिटी स्किल काउंसिलिंग इंडिया लिमिटेड जयपुर के द्वारा ग्रामीण एवं शहरी शिक्षित युवाओं को सुरक्षा जवान व सुपरवाइजर के पद पर चयनित करने हेतु जिले के विभिन्न विकासखंडों में रोजगार भर्ती कैंपों का आयोजन 27 अक्टूबर से 06 नवंबर 2026 तक किया जाएगा। जिला रोजगार अधिकारी श्री

बी.एस. मीना ने बताया कि इन कैंपों के माध्यम से युवाओं का चयन शारीरिक मापदंडों के आधार पर भर्ती अधिकारी श्री सुरेंद्र कुमार पोटर द्वारा किया जाएगा। जिसमें 27 अक्टूबर को जनपद पंचायत कोलारस, 28 अक्टूबर को जनपद पंचायत बदरवास, 30 अक्टूबर को जनपद पंचायत पोहरी, 02 नवंबर को जनपद पंचायत नरवर, 03 नवंबर को जनपद पंचायत खनियाधाना, 04 नवंबर को जनपद पंचायत पिछौर, 05 नवंबर को आजीविका भवन करैरा एवं 06 नवंबर को जिला रोजगार कार्यालय शिवपुरी में शामिल है।

शिवपुरी जीएनएस

नवरात्रि पर्व के पावन अवसर पर ग्राम पंचायत गोपालपुर में गिरांज सिंह यादव के निज निवास पर वर्षों से निर्धन, गरीब, जरूरतमंदों एवं राहगीरों को निःशुल्क भोजन प्रसादी उपलब्ध कराने की सेवा परंपरा को आगे बढ़ते हुए गौरी गिरांज आश्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में परिक्षेत्र सहायक गोपालपुर के कमल किशोर शर्मा उपस्थित रहे। शुभारंभ अवसर पर विधि-विधान



से पूजा-अर्चना की गई तथा कन्याओं को भोजन प्रसादी ग्रहण कराई गई। इस अवसर पर उपस्थित मातृशक्ति श्रीमती लीला संतोष यादव, श्रीमती जेज्जु अंतू यादव

एवं श्रीमती मनीषा गिरांज सहित संत-महात्माओं एवं गणमान्य अतिथियों ने धार्मिक अनुष्ठान में सहभागिता की। कार्यक्रम में महाराज चंद्रप्रकाश पाठक, नाथूराम

गुर्जर, ठेकेदार, प्यारे लाल खान (पूर्व सरपंच), पं. रामप्रसाद दुबे, दुर्गा प्रसाद ग्वाल, जितेन्द्र पाराशर, सोहेब खान, अनिल बनर्जी, गिरिराज दंडेलिया, होतम धाकड़, रनू गुर्जर, कृष्णाकांत वर्मा, ओमप्रकाश धाकड़, भाटी एवं श्याम यादव सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। आयोजन के दौरान उपस्थित संत-महात्माओं एवं अतिथियों का राधे-कृष्ण पट्टिका भेंट कर सम्मान किया गया।

पूर्व विधायक वीरेंद्र रघुवंशी ने भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक मूल्यों के महत्व पर दिया जोर

नवरात्रि पर ब्रह्माकुमारीज आश्रम द्वारा चैतन्य देवियों की झांकी का आयोजन, अतिथियों ने की सराहना

शिवपुरी

नवरात्रि के पावन पर्व पर ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की ओर से चैतन्य देवियों की आकर्षक झांकी का आयोजन किया गया। धार्मिक आस्था, आध्यात्मिक चेतना और भारतीय संस्कृति के संदेश से जुड़े इस आयोजन में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। झांकी के माध्यम से देवी स्वरूपों की महिमा और नारी शक्ति के महत्व को प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने आयोजन की सराहना करते हुए इसे धार्मिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाने वाला प्रयास बताया।

कार्यक्रम में पूर्व विधायक वीरेंद्र रघुवंशी मुख्य रूप से शामिल हुए। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में नवरात्रि का पर्व शक्ति, भक्ति और साधना का प्रतीक है। मां दुर्गा के विभिन्न स्वरूप हमें साहस, संयम, सदाचार और अन्याय के विरुद्ध खड़े होने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक एवं आध्यात्मिक आयोजन नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आध्यात्मिक ज्ञान और सकारात्मक विचारों को जीवन में अपनाकर समाज में प्रेम, सद्भाव और नैतिक मूल्यों को मजबूत

किया जा सकता है। इस अवसर पर हरवीर रघुवंशी ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि नवरात्रि केवल पूजा-अर्चना का पर्व नहीं, बल्कि आत्मचिंतन और जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का अवसर भी है। उन्होंने कहा कि समाज में नारी शक्ति के सम्मान, संस्कारों के संरक्षण और आपसी सद्भाव को बढ़ावा देना हम सभी की जिम्मेदारी है। इस प्रकार के आयोजन लोगों को आध्यात्मिकता से जोड़ने के साथ-साथ सामाजिक एकता का संदेश भी देते हैं। कार्यक्रम में डॉ. भानुप्रताप वर्मा की उपस्थिति भी रही। अतिथियों ने चैतन्य देवियों

की झांकी के माध्यम से प्रस्तुत धार्मिक भावनाओं और आध्यात्मिक संदेश की सराहना की। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति की समृद्ध परंपराओं को जीवंत बनाए रखने के लिए ऐसे आयोजनों का विशेष महत्व है। नवरात्रि के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम ने श्रद्धालुओं को देवी आराधना के साथ आध्यात्मिक चिंतन और सांस्कृतिक मूल्यों को आत्मसात करने का संदेश दिया। आयोजन का उद्देश्य धार्मिक चेतना जागृत करने, सकारात्मक जीवन मूल्यों को प्रोत्साहित करने और समाज में शांति, सद्भाव एवं एकता की भावना को मजबूत करना रहा।



वन संरक्षण के प्रहरी हैं करैरा रेंजर लक्ष्मण सिंह मीणा ! जंगल, वन्यजीव और पर्यावरण की सुरक्षा में अहम भूमिका

करैरा/शिवपुरी, जीएनएस।

प्रकृति की असली सुंदरता उसके हरे-भरे जंगलों, वन्यजीवों और स्वच्छ पर्यावरण में बसती है। इन प्राकृतिक धरोहरों को सुरक्षित रखना केवल सरकारी जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के भविष्य को सुरक्षित रखने का महत्वपूर्ण संकल्प है। इसी जिम्मेदारी के केंद्र में वन विभाग का मैदानी अमला और वन परिक्षेत्र अधिकारी होता है। करैरा वन परिक्षेत्र में रेंजर लक्ष्मण सिंह मीणा का दायित्व भी इसी दृष्टि से महत्वपूर्ण है। वन संपदा की सुरक्षा,



पर्यावरण संरक्षण और विभागीय कार्यों की निगरानी जैसे विषय उनके कार्यक्षेत्र से जुड़े हैं।

वन संपदा की सुरक्षा, सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारी

वन परिक्षेत्र अधिकारी की

जिम्मेदारी जंगलों की सीमाओं तक सीमित नहीं रहती। वन क्षेत्र में अवैध कटाई रोकना, वन भूमि पर अतिक्रमण की शिकायतों की जांच, अवैध लकड़ी परिवहन के मामलों में

नियमानुसार कार्रवाई तथा प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा जैसे अनेक कार्य वन विभाग के दायित्व में आते

पौधारोपण से हरियाली तक, भविष्य बचाने का संकल्प

पौधारोपण करना जितना आवश्यक है, लगाए गए पौधों को जीवित रखना उससे भी अधिक महत्वपूर्ण है। वन विभाग की योजनाओं के अंतर्गत पौधारोपण, पौधों की सुरक्षा, उनकी वृद्धि की निगरानी और आवश्यक रखरखाव पर ध्यान देना जरूरी होता है। इसके साथ ही मिट्टी के कटाव को रोकना, जल स्रोतों के आसपास प्राकृतिक संतुलन बनाए रखना और वन क्षेत्रों की जैव विविधता को सुरक्षित रखना भी महत्वपूर्ण कार्य हैं।

हैं। इन कार्यों के प्रभावी संचालन के लिए मैदानी अमले की सक्रियता, नियमित गश्त और विभागीय समन्वय आवश्यक है। लक्ष्मण सिंह मीणा के नेतृत्व में करैरा वन परिक्षेत्र में इन जिम्मेदारियों का प्रभावी निर्वहन क्षेत्र की प्राकृतिक संपदा को सुरक्षित रखने की दिशा में महत्वपूर्ण हो सकता है। वन संरक्षण के लिए

सतर्कता, जवाबदेही और निरंतर निगरानी का विशेष महत्व है।

वन्यजीवों की सुरक्षा और वनाग्नि की रोकथाम

जंगलों में रहने वाले वन्यजीव हमारी प्राकृतिक विरासत का अभिन्न हिस्सा हैं। अवैध शिकार की रोकथाम, वन्यजीवों के आवास की सुरक्षा, वनाग्नि से बचाव और

आग लगने पर त्वरित नियंत्रण के प्रयास वन विभाग की प्रमुख जिम्मेदारियों में शामिल हैं। इन कार्यों में स्थानीय नागरिकों का सहयोग और वन अमले की सतर्कता विशेष भूमिका निभाते हैं।

कर्तव्यनिष्ठा, पारदर्शिता और जनसहभागिता से मजबूत होगा विश्वास

वन विभाग की सफलता केवल योजनाओं और कागजी कार्यवाही से नहीं, बल्कि धरातल पर दिखाई देने वाले परिणामों से मापी जाती है। जंगलों की सुरक्षा, पौधों का जीवित रहना, अवैध गतिविधियों

पर कार्रवाई और वन्यजीवों का संरक्षण ऐसे महत्वपूर्ण मानक हैं, जिनसे विभागीय कार्यप्रणाली का मूल्यांकन किया जा सकता है। करैरा रेंजर लक्ष्मण सिंह मीणा के लिए यह जिम्मेदारी वन संपदा को सुरक्षित रखने, विभागीय कार्यों को प्रभावी बनाने और पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों को आगे बढ़ाने का महत्वपूर्ण अवसर है। क्षेत्रवासियों को भी उम्मीद रहती है कि वन विभाग जनहित, पारदर्शिता और जवाबदेही को प्राथमिकता देते हुए अपने दायित्वों का निर्वहन करेगा।

शासकीय कार्यों में लापरवाही पर 5 पटवारियों को कारण बताओ नोटिस जारी

शिवपुरी, जीएनएस।

कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा के निर्देशानुसार एसडीएम कोलारस शिवदयाल धाकड़ द्वारा शासकीय कार्य-दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही पर 5 पटवारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं।

स्वामित्व योजना के पंजीयन में शून्य प्रगति पर नोटिस

स्वामित्व योजना के अंतर्गत स्वामित्व अधिकार अभिलेखों से संबंधित हस्तांतरण विलेख के पंजीयन हेतु पटवारियों को निष्पादक घोषित किया गया है। सतत निर्देशों के बावजूद हल्के में स्वामित्व रजिस्ट्री की संख्या शून्य रहने पर एसडीएम कोलारस द्वारा पटवारी हल्का नंबर 164 सेसईखुर्द

के पटवारी श्री अमित रघुवंशी तथा पटवारी हल्का नंबर 167 किशनपुर के पटवारी श्री पार्थ किरार को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब तलब किया गया है।

सीएम हेल्पलाइन, वसूली में रुचि न लेने पर 3 पटवारियों को नोटिस

इसी क्रम में तहसील रजौद अंतर्गत सीएम हेल्पलाइन शिकायतों की अधिक संख्या लंबित रहने, राजस्व वसूली कार्य में रुचि न लेने, सतत निर्देशों के बावजूद कार्य में प्रगति न लाने तथा तहसील मुख्यालय/हल्के पर निवास न करने की गंभीर लापरवाही पर 3 अन्य पटवारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। इनमें पटवारी हल्का

नंबर 120 रजौद के पटवारी श्री रवि भदौरिया, पटवारी हल्का नंबर 103 ढकौरा के पटवारी श्री मधुर मिलन पाठक तथा पटवारी हल्का नंबर 102 सुनाज एवं 109 अकौदा के पटवारी श्री पदम शर्मा शामिल हैं।

एसडीएम कोलारस द्वारा जारी नोटिस में स्पष्ट किया गया है कि संबंधित पटवारियों का यह कृत्य शासकीय कर्तव्यों के प्रति घोर लापरवाही, अनुशासनहीनता एवं स्वेच्छाचारिता का द्योतक होकर म.प्र. सिविल सेवा नियम 1965 के नियम 03 का स्पष्ट उल्लंघन है। सभी संबंधितों को 02 दिवस के भीतर उपस्थित होकर अपना लिखित स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

कलेक्टर श्री वर्मा की अध्यक्षता में आयोजित हुई जिला स्तरीय लघु उद्योग संवर्धन बोर्ड की बैठक

उद्योगों के विकास को बढ़ावा देने पर हुई चर्चा, जानी उद्यमियों की समस्याएं

शिवपुरी, जीएनएस।

कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा की अध्यक्षता में जिला स्तरीय लघु उद्योग संवर्धन बोर्ड, जिला स्तरीय निर्यात प्रोत्साहन समिति एवं जिला स्तरीय निवेश संवर्धन एवं समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने, उद्यमियों की समस्याओं के निराकरण, उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए शासन की विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन तथा स्वरोजगार के अवसरों को बढ़ाने के संबंध में चर्चा की गई। कलेक्टर श्री अर्पित वर्मा ने कहा कि जिले में उद्योगों को बढ़ावा देने का प्रयास है। यदि नए उद्यमी नया उद्यम संचालित करना चाहते हैं अथवा पूर्व से

स्थापित उद्यमी अपने उद्योग का विस्तार करना चाहते हैं, वह शासन की योजनाओं का लाभ ले सकते हैं।

जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक श्री अजय तिवारी ने बताया कि एमएसएमई प्रोत्साहन योजना के तहत उद्योग विकास अनुदान में 10 करोड़ तक के निवेश में 40 प्रतिशत का मूल अनुदान है। महिला/एससी/एसटी उद्यमी को 2 प्रतिशत अतिरिक्त अनुदान एवं एससी/एसटी महिला उद्यमी को 2.5 प्रतिशत अतिरिक्त अनुदान साथ ही निर्यातक इकाइयों को 2 प्रतिशत से 3 प्रतिशत अतिरिक्त अनुदान प्रदान किया जाता है। अधोसंरचना विकास, सोलर प्लांट ईटीपी प्लांट एवं अपशिष्ट प्रबंधन एवं लैब स्थापना पर शासन द्वारा अनुदान प्रदान किया जाता है।

कलेक्टर श्री अर्पित वर्मा ने जिले में उद्योग संचालन एवं उद्योग

स्थापित करने और औद्योगिक विकास की कठिनाइयों को लेकर उद्यमियों से चर्चा की और उनकी समस्याएं जानी। औद्योगिक क्षेत्र में विद्युत प्रदायगी को लेकर विद्युत विभाग के अधिकारियों को भी निर्देश दिए हैं। इसके अतिरिक्त अधोसंरचना विकास के कारण औद्योगिक विकास में आने वाली समस्याओं के निराकरण के लिए भी चर्चा की गई।

विद्युत टैरिफ प्रतिपूर्ति विशेष पैकेज के अंतर्गत

खाद्य प्रसंस्करण, वस्त्र परिधान, फुटवेयर, फर्नीचर एवं खिलौने विनिर्माण इकाइयों को अतिरिक्त विद्युत टैरिफ प्रतिपूर्ति की जाती है। विद्युत टैरिफ जिसमें 21 प्रति यूनिट की प्रतिपूर्ति रहेगी। यह सहायता मध्य प्रदेश विद्युत नियामक आयोग की रियासतों के अतिरिक्त 5-7 वर्ष तक देय होगी।

स्वामित्व योजना के अधिकार अभिलेखों की रजिस्ट्री के लिए एमपी ई-सेवा ऐप से घर बैठे कर सकेंगे आवेदन

श्रयोपुर, जीएनएस।

स्वामित्व योजना के अंतर्गत निर्मित अधिकार अभिलेखों के पंजीयन (रजिस्ट्री) के लिए सभी जिलों के भूखंड एवं अधिकार अभिलेख धारक अब एमपी ई-सेवा ऐप के माध्यम से स्वयं भी ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इस सुविधा से हितग्राही निर्धारित प्रक्रिया का पालन करते हुए अपने मोबाइल से ही आवेदन कर सकेंगे। आवेदन करने के लिए

सर्वप्रथम मोबाइल में एमपी ई-सेवा ऐप डाउनलोड करना होगा। ऐप खोलने के बाद समग्र आईडी के माध्यम से ओटीपी प्राप्त कर लॉगिन करना होगा। इसके बाद स्वामित्व दस्तावेज आवेदन विकल्प का चयन करने पर संबंधित भूखंडों की सूची प्रदर्शित होगी। आवेदक को जिस भूखंड के लिए आवेदन करना है, उसका चयन कर आगे की प्रक्रिया पूर्ण करनी होगी। आवेदन प्रक्रिया के अगले चरण में

आधार ई-केवाईसी के माध्यम से पहचान सत्यापन करना होगा। इसके पश्चात वीडियो रिकॉर्डिंग का विकल्प सक्रिय हो जाएगा। इस विकल्प के माध्यम से सभी संबंधित भूमिस्वामियों की वीडियो रिकॉर्डिंग की जाएगी तथा उनकी सहमति -हाँ- अथवा -नहीं- बोलकर दर्ज की जाएगी। वीडियो रिकॉर्डिंग पूर्ण होने के बाद आवेदक गवाह जोड़ने के विकल्प का चयन कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान अंतर्गत खिरखिरी में जनसंवाद कार्यक्रम 23 को

श्रयोपुर, जीएनएस।

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान अंतर्गत 23 अक्टूबर को आदिवासी विकासखण्ड कराहल के ग्राम खिरखिरी में जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा की अध्यक्षता में आयोजित

जनसंवाद कार्यक्रम से पूर्व पूर्व अधिकारियों द्वारा कलस्टर क्षेत्र के ग्रामों में शासकीय संस्थाओं एवं परिसंपत्तियों का निरीक्षण किया जायेगा। जनसंवाद कार्यक्रम में ग्राम पंचायत खिरखिरी सहित मेहरवानी, चकरामपुरा, निमानिया, बाढ, करियादेह एवं लुहारी शामिल रहेंगे।

इस अभियान के दौरान क्षेत्र भ्रमण, निरीक्षण एवं जनसंवाद के माध्यम से आम लोगों की शिकायतों का निराकरण किया जायेगा तथा शासकीय योजनाओं की निगरानी के साथ ही कल्याणकारी योजनाओं में शेष पात्र लोगों को लाभ देने की कार्यवाही की जायेगी।

श्रीरामलीला मंचन से दतिया की समाजिक समरसता और गंगा जमुनी तहजीब मजबूत हुई- अरुणादित्य देव

दतिया, जीएनएस।

श्रीरामलीला के भव्य मंचन से दतिया की समाजिक समरसता और गंगा-जमुनी तहजीब और अधिक मजबूत हुई है। यह बात महाराजा अरुणादित्य देव ने दतिया के किला चौक पर श्रीरामलीला आयोजन समिति, दतिया के तत्वाधान में बलबंत मंडल द्वारा आयोजित श्रीरामलीला मंचन के समापन कार्यक्रम को श्रीरामलीला मंच से उपस्थित जन समुदाय को संबोधित कर कही।

उन्होंने कहा कि दतिया की पुरानी सांस्कृतिक कलाओं, मान्यताओं, परंपराओं, विधाओं एवं धरोहरों को संरक्षित करने तथा जीवंत बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयास करना चाहिए मैं सदैव तत्पर रहूंगा।

उन्होंने श्रीरामलीला आयोजन समिति, दतिया द्वारा श्रीरामलीला एवं दशहरा चल समारोह के सफल आयोजन के लिए हृदय से बधाई दी एवं श्रीरामलीला के प्रभावी मंचन के लिए बलबंत



मंडल, दतिया के सभी कलाकारों एवं संयोजक श्री राजेश लिटोरिया के प्रति आभार जताया।

कार्यक्रम के आरंभ में महाराजा अरुणादित्य देव ने भगवान श्रीराम-जानकी के स्वरूप की

आरती उतारी एवं श्रीरामचंद्र जी का तिलक लगाकर राज्याभिषेक किया। इस अवसर पर श्रीरामलीला आयोजन समिति ने श्रीरामलीला समिति के पूर्व अध्यक्षों को श्री पंकज शुक्ला, संतोष कटारे, गिराज शरण शुक्ला, श्री मोहन सुहाने आदि का मंच पर शॉल ओढ़ाकर श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया। रामलीला आयोजन समिति, दतिया के अध्यक्ष मोहन अग्रवाल, कार्यकारी अध्यक्ष दीपक सचदेवा, दशहरा

चल समारोह अध्यक्ष संतोष कुरेले, कॉर्डिनेटर रवि ठाकुर, सचिव विष्णु त्रिपाठी सहित अन्य पदाधिकारियों को कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर रविन्द्र परमार, राजू बिलैया, लवी बाजबा, एडवोकेट शंभू गोस्वामी, शैलेंद्र सिंह बुंदेला, अखिलेश दांतरे, विकास जड़िया, जितेंद्र सिंह पठारी, नोमी सिंह कमरिया, मुन्नालाल पुरोहित, अनिल नगरिया आदि सहित बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

खेल धैर्य और संघर्षशीलता विकसित करने का सशक्त मंच है: राठौड़

ग्वालियर, जीएनएस।
ग्वालियर की अंडर-16 बालक-बालिका 50 गेंद क्रिकेट प्रतियोगिता 2026 का आयोजन को द्वितीय एसएफए बटालियन मैदान, कपू में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने खेल भावना, अनुशासन, आत्मविश्वास और उत्कृष्ट प्रदर्शन के माध्यम से अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में

उपस्थित जिला योजना समिति के सदस्य आशीष प्रताप सिंह राठौड़ ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्रथम मैच एसडीवीएम और प्रोग्रेस अकादमी के बीच तथा द्वितीय मैच आकार पब्लिक स्कूल और सीएसए के बीच आयोजित किया गया। प्रथम मैच के बाद व्यक्तिगत चयन-परीक्षण भी आयोजित किए गए, जिनके माध्यम से खिलाड़ियों को



अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिला।

मुख्य अतिथि आशीष प्रताप सिंह राठौड़ ने खिलाड़ियों से सर्वप्रथम

परिचय प्राप्त किया एवं संबोधित करते हुए कहा कि खेल केवल जीत और हार का माध्यम नहीं, बल्कि जीवन में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास, धैर्य और संघर्षशीलता विकसित करने का सशक्त मंच है। उन्होंने बताया कि खेल के मैदान में सीखे गए संस्कार व्यक्ति को जीवन की हर चुनौती का सामना करने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि ग्वालियर की धरती ने सदैव प्रतिभाओं को जन्म दिया। समापन अवसर पर सभी टीमों

व अतिथियों को ग्वालियर जिला 50 गेंद क्रिकेट प्रतियोगिता 2026 की ओर से संस्था की सचिव द्वारा स्मृति-चिह्न भेंट किया। आयोजन समिति ने द्वितीय एसएफए बटालियन, सभी विद्यालयों के प्रबंधन, प्रशिक्षकों और खिलाड़ियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर संस्था के सचिव विनय कदम, अपर्णा श्रीवास्तव, नवीन शुक्ला, दिव्या पारेता, भावना राजपूत आदि स्पोर्ट्स अकादमी के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

23 एवं 24 अक्टूबर को एबीवी IIITM ग्वालियर में विद्यार्थी दिखाएंगे वैज्ञानिक प्रतिभा और नवाचार का उत्साह

ग्वालियर, जीएनएस।
एबीवी IIITM ग्वालियर मै विज्ञान भारती, मध्यभारत प्रांत, ग्वालियर द्वारा आयोजित ग्वालियर विज्ञान महोत्सव 2026 के अंतर्गत 23 एवं 24 अक्टूबर को विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इस दो दिवसीय आयोजन में ग्वालियर के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों के साथ-साथ विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के करीब 2000 विद्यार्थी सहभागिता करेंगे। महोत्सव का उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, जिज्ञासा, रचनात्मकता, नवाचार

एवं वैज्ञानिक सोच को प्रोत्साहित करना तथा उन्हें अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए उपयुक्त मंच प्रदान करना है। यह आयोजन विद्यार्थियों को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के प्रति रुचि विकसित करने और अपनी कल्पनाशीलता को सार्थक प्रयोगों एवं नवाचारी विचारों में बदलने के लिए प्रेरित करेगा। 23 अक्टूबर को विद्यालयीन विद्यार्थियों की सहभागिता महोत्सव के प्रथम दिवस, 23 अक्टूबर 2026 को ग्वालियर के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के करीब 1200 विद्यार्थियों को विभिन्न निर्धारित गतिविधियों एवं प्रतियोगिताओं में

सहभागिता के लिए आमंत्रित किया गया है। इस पहल के माध्यम से स्कूली विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति रुचि, प्रश्न पूछने की प्रवृत्ति, प्रयोगधर्मिता एवं समस्या-समाधान की क्षमता को प्रोत्साहित किया जाएगा। द्वितीय दिवस, 24 अक्टूबर 2026 को विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के करीब 800 विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं गतिविधियों का आयोजन अटल बिहारी वाजपेयी-डुधभारतीय सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन संस्थान (ABV-IIITM), ग्वालियर के कन्वेंशन सेंटर में किया जाएगा। विज्ञान भारती का विश्वास है

कि ग्वालियर विज्ञान महोत्सव विद्यार्थियों में वैज्ञानिक चेतना विकसित करने, उनकी रचनात्मक क्षमता को प्रोत्साहित करने तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के माध्यम से समाज की समस्याओं के समाधान की दिशा में सोचने का अवसर प्रदान करेगा। विज्ञान भारती, मध्यभारत प्रांत ने विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा शैक्षणिक संस्थानों से इस महोत्सव में उत्साहपूर्वक सहभागिता करने और आयोजन को सफल बनाने की अपील की है। यह जानकारी संस्थान की मीडिया प्रभारी दीपा सिंह सिसोदिया के द्वारा दी गयी।

अयोध्या निवासी काश्मीर के बारामुला में तैनात B.S.F. इंस्पेक्टर अनिरुद्ध प्रताप सिंह का निधन

अयोध्या ! शहर से सटे गाँव रामपुर पुवारी पोस्ट मड़ना थाना महाराजगंज पूरा बाजार के निवासी जोकि काश्मीर के बारामुला में पोस्ट थे ड्यूटी के दौरान तबियत खराब होने के बाद कल आकस्मिक निधन हो गया ! अनिरुद्ध सिंह का शव आज काश्मीर से फ्लाइट द्वारा दिल्ली व फिर दिल्ली से

लखनऊ राष्ट्रीय सम्मान के लाया जायेगा जिसके बाद लखनऊ से उनके पैतृक गाँव लाकर कल राष्ट्रीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया जायेगा ! उनके परिजनों आलोक सिंह राकेश सिंह सुरेश सिंह अवधेश सिंह को ईश्वर दुःख की घड़ी में साहस प्रदान करें।



किसानों को मानक बीज उपलब्ध कराने के लिये बीज नमूने लेकर जाँच के लिये भेजे

विभिन्न फर्मों से लिए गए सरसों व मटर की विभिन्न किस्मों के नमूने

ग्वालियर, जीएनएस।
रबी मौसम में जिले के किसानों को मानक बीज व खाद उपलब्ध कराने के लिये विभिन्न बीज विक्रेताओं व फर्मों से लगातार नमूने लेकर प्रयोगशाला में जाँच कराई जा रही है। इस कड़ी में कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देश पर उप संचालक किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग सह जिला स्तरीय बीज नमूना संग्रहण अधिकारी द्वारा विभिन्न फर्मों पर भण्डारित अलग-अलग बीज

उत्पादक संस्थाओं के सरसों, मटर व अन्य फसलों के बीजों के नमूने लेकर बीज परीक्षण प्रयोगशाला में जाँच के लिये भेजे गए हैं। उप संचालक किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार बीज विक्रेता फर्म मयंक बीज भण्डार सरद बाजार मुरार से सरसों की विभिन्न किस्म, मादूलाल हरीशंकर मुरार से सरसों की विभिन्न किस्म, श्री महालक्ष्मी एगो एजेंसी गज मुरार से सरसों व मटर, गणेश ट्रेडिंग कंपनी गंज मुरार से सरसों एवं न्यू गंभीर बीज भण्डार सदर बाजार मुरार से सरसों की विभिन्न किस्मों के बीज नमूने लेकर जाँच के लिये प्रयोगशाला भेजे गए हैं।

वृंदावन में शरद पूर्णिमा पर बाबा गोपाल दास की स्मृति में होगा भव्य संकीर्तन, चीर घाट पर सजेगा भक्ति का मंच

(डॉ गोपाल चतुर्वेदी)
वृंदावन (मथुरा)। शरद पूर्णिमा के पावन अवसर पर वृंदावन के चीर घाट पर भव्य संकीर्तन का आयोजन किया जा रहा है। आयोजकों के अनुसार यह उत्सव 25 अक्टूबर 2026, रात्रि 8 बजे से यमुना के किनारे, चीर घाट, वृंदावन में मनाया जाएगा। यह संकीर्तन बाबा गोपाल दास लघुसखी महाराज (सेवा कुंज

वाले) की स्मृति में हो रहा है, क्योंकि बाबा गोपाल दास अब नहीं है। यह कार्यक्रम महंत सुंदरी शरण महाराज के पावन सानिध्य में होगा। भक्ति संध्या को और भी मधुर बनाने के लिए प्रसिद्ध भजन गायक रविन्दन शास्त्री, साहिल सांवरिया और हेमंत रमन अपने भजनों की प्रस्तुति देंगे। कार्यक्रम के आयोजक बाबा जमुना दास हैं, जबकि आयोजन सभी ठाकुर भक्तों द्वारा किया जा रहा है।



काशी दुर्गात्सव समिति की 66 वर्षों की गौरवशाली परंपरा के बीच बंगाली संस्कृति और धार्मिक आस्था की दिखी अनुपम झलक

वाराणसी, जीएनएस।
काशी दुर्गात्सव समिति की ओर से बुधवार को चेतसिंह किला, हरिश्चंद्र रोड शिवाला में पारंपरिक सिंदूर खेला का आयोजन किया गया 7 इस अवसर पर डॉ.नोविना चक्रवर्ती ने सिंदूर खेला के धार्मिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए इसे बंगाली संस्कृति और दुर्गापूजा की एक महत्वपूर्ण परंपरा बताया 7 आयोजन के दौरान श्रद्धा, उल्लास और भावनाओं से ओतप्रोत वातावरण में मां दुर्गा को विदाई दी गई 7 सिंदूर खेला की परंपरा के तहत महिलाओं ने सर्वप्रथम मां दुर्गा को सिंदूर अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि, सौभाग्य और खुशहाली की कामना की इसके बाद महिलाओं ने



एक-दूसरे को सिंदूर लगाकर मंगलकामनाएं दीं 7 मां दुर्गा की विदाई के इस भावुक क्षण में श्रद्धालुओं की आस्था और बंगाली संस्कृति की खूबसूरत झलक देखने को मिली। डॉ.नोविना चक्रवर्ती ने

सिंदूर खेला की महत्ता बताते हुए कहा कि यह परंपरा महिलाओं के सौभाग्य, सुख-समृद्धि और आपसी प्रेम का प्रतीक है इसके माध्यम से मां दुर्गा के प्रति श्रद्धा व्यक्त करने के साथ ही सामाजिक

सौहार्द, पारिवारिक मंगलकामना और सांस्कृतिक विरासत को भी सहेजा जाता है 7 गौरतलब है कि काशी दुर्गात्सव समिति पिछले 66 वर्षों से लगातार दुर्गापूजा का आयोजन कर रही है वर्षों से चली आ रही यह परंपरा काशी में बंगाली संस्कृति और धार्मिक विरासत को जीवंत बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है 7 नवरात्र के दौरान समिति के पूजा पंडाल में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु मां दुर्गा के दर्शन-पूजन के लिए पहुंचे 7 समिति की ओर से आयोजित भोग एवं प्रसाद वितरण कार्यक्रम में प्रतिदिन लगभग 500 से 1500 श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया 7 इस वर्ष चार दिनों तक श्रद्धालुओं के बीच भोग एवं प्रसाद का वितरण किया गया।

हिन्दी दैनिक

श्रमसाधना

आपकी दुःख की घड़ी में
श्रमसाधना सदैव आपके साथ है

उठावनी/रस्म पगड़ी का प्रकाशन निःशुल्क

सम्पर्क करें

ग्वालियर शिवपुरी

☎ 0751-2625029 ☎ 07492-232149
☎ 9074257600 ☎ 8251071286

E-mail : shramsadhnagwl@gmail.com

विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2027 के संबंध में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक सम्पन्न

मतदान केन्द्रों के युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया 2 नवम्बर तक पूर्ण करने के निर्देश

मुरैना, जीएनएस।
भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार फोटो निर्वाचक नामावली के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2027 के अंतर्गत जिले में मतदान केन्द्रों के युक्तियुक्तकरण एवं पुनर्व्यवस्थापन की कार्यवाही 2 नवम्बर 2026 तक पूर्ण की जाएगी। इस संबंध में कलेक्टर श्री लोकेश कुमार जागिड़ की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित हुई।

कलेक्टर श्री जागिड़ ने निर्देशित किया कि निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों एवं निर्धारित मापदण्डों के अनुरूप मतदान केन्द्रों का युक्तियुक्तकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि मतदाताओं को मतदान के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची का

पुनरीक्षण पूर्ण पारदर्शिता एवं शुद्धता के साथ किया जाए तथा कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से वंचित न रहे। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्वाचन संबंधी समस्त कार्यवाहियां निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने तथा पात्र मतदाताओं के नाम जोड़ने के लिए प्रभावी प्रयास करने के निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर श्री अधिनी कुमार रावत, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मुरैना एवं जौरा सहित मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2027 के निर्धारित कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशन 12 नवम्बर 2026 को निर्धारित है। प्रारूप सूची के संबंध में दावे एवं आपत्तियां 12 नवम्बर से 11



दिसम्बर 2026 तक प्राप्त की जाएगी। दावे एवं आपत्तियों के निराकरण की अंतिम तिथि 28 दिसम्बर 2026 निर्धारित है, जबकि मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 4 जनवरी 2027 को होगा।

छूटे हुए एवं युवा मतदाताओं के नाम जोड़ने के लिए विशेष अभियान

विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के उपरांत मतदाता

सूची में नाम दर्ज कराने से वंचित नागरिकों तथा पहली बार मतदाता बनने की पात्रता रखने वाले युवाओं के नाम सम्मिलित कराने के उद्देश्य से जिले में विशेष अभियान संचालित है। अभियान के अंतर्गत जिले के छह विधानसभा क्षेत्रों से अब तक प्रपत्र-6 के कुल 15,539 आवेदन प्राप्त हुए हैं। विधानसभा क्षेत्रवार स्थिति के अनुसार सबलगढ़ से 1,870, जौरा से

3,237, सुमावली से 2,463, मुरैना से 3,359, दिमनी से 2,376 तथा अम्बाह से 2,234 आवेदन प्राप्त हुए हैं। पात्र नागरिकों के नाम मतदाता सूची में सम्मिलित कराने के लिए निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप आवश्यक कार्यवाही जारी है।

जर्जर मतदान केन्द्रों के स्थान पर वैकल्पिक भवनों के प्रस्ताव:

मतदान केन्द्रों के युक्तियुक्तकरण के अंतर्गत जौरा विधानसभा क्षेत्र के चित्रौनी करैरा, कैलारस एवं बरहाना में जर्जर भवनों के स्थान पर वैकल्पिक भवनों में मतदान केन्द्र स्थापित करने के प्रस्ताव विचाराधीन हैं। मुरैना विधानसभा क्षेत्र में शासकीय महाविद्यालय भवन के क्षतिग्रस्त होने के दृष्टिगत शहर के विभिन्न मतदान केन्द्रों को द्रोपदी देवी पब्लिक स्कूल के ए, बी एवं सी ब्लॉक के निर्धारित

कक्षों में स्थानांतरित करने संबंधी प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए हैं। इसी क्रम में शेरपुर स्थित जर्जर मतदान केन्द्र भवन के स्थान पर उसी परिसर में संचालित शासकीय माध्यमिक विद्यालय के कक्ष में मतदान केन्द्र स्थापित करने का प्रस्ताव भी रखा गया है। बैठक में मतदान केन्द्रों के युक्तियुक्तकरण एवं पुनर्व्यवस्थापन से संबंधित प्रस्तावों पर चर्चा करते हुए निर्धारित मापदण्डों के अनुरूप आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। साथ ही विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2027 के अंतर्गत दावे एवं आपत्तियों के निराकरण, पात्र मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में सम्मिलित कराने तथा निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित समय-सारिणी के पालन के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

शासकीय कार्यालयों में शिकायत प्रतितोष अधिकारी की नियुक्ति अनिवार्य

मुरैना, जीएनएस।
दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 के प्रावधानों के अंतर्गत जिले के समस्त शासकीय कार्यालयों में शिकायत प्रतितोष अधिकारी की नियुक्ति अनिवार्य की गई है। कलेक्टर श्री लोकेश कुमार जागिड़ ने सभी कार्यालय प्रमुखों को निर्देशित किया है कि वे अपने कार्यालय में राजपत्रित अधिकारी से अनूयन स्तर के अधिकारी को शिकायत प्रतितोष अधिकारी के रूप में तत्काल नियुक्त करते हुए निर्धारित प्रावधानों का पालन सुनिश्चित करें। मध्यप्रदेश दिव्यांगजन अधिकार नियम, 2017 के नियम 11 के अंतर्गत प्रत्येक शासकीय स्थापना में दिव्यांगजनों की

शिकायतों से संबंधित पंजी का निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार संधारण किया जाना अनिवार्य है। कलेक्टर ने निर्देश दिए हैं कि प्राप्त शिकायतों की नियमानुसार प्रविष्टि, जांच एवं निराकरण की कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। साथ ही शिकायतों के प्रभावी निराकरण के लिए आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाते हुए संबंधित प्रकरणों में नियमानुसार कार्रवाई की जाए, ताकि दिव्यांगजनों को अपने अधिकारों के उपयोग एवं शासकीय सेवाओं की प्राप्ति में किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

कलेक्टर ने निर्देशित किया है कि प्रत्येक विभागीय स्थापना में नियुक्त शिकायत

प्रतितोष अधिकारी का नाम, पदनाम एवं कार्यालयीन विवरण आयुक्त, दिव्यांगजन, मध्यप्रदेश शासन, भोपाल को प्रेषित किया जाए। साथ ही उक्त जानकारी की एक प्रति कार्यालय उप संचालक, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, मुरैना को उपलब्ध कराई जाए।

कलेक्टर ने सभी कार्यालय प्रमुखों को निर्देशों का प्राथमिकता के आधार पर पालन सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया है, जिससे दिव्यांगजनों की शिकायतों का निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप निराकरण हो तथा उनके अधिकारों के संरक्षण एवं संवर्धन की व्यवस्था प्रभावी रूप से सुनिश्चित हो सके।

कानूनी सुरक्षा पर जागरूकता शिविर का आयोजन

श्यापुर, जीएनएस।

कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा के मार्गदर्शन में सामाजिक न्याय विभाग द्वारा प्रेरणा वृद्धाश्रम श्यापुर में अटल वयो अभ्युदय योजना अंतर्गत वरिष्ठ जनों के कल्याण एवं उनके अधिकारों के संरक्षण तथा वरिष्ठजनों के प्रति सकारात्मक एवं संवेदनशील दृष्टिकोण विकसित करने हेतु जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम वरिष्ठजनों की कानूनी सुरक्षा, व्यक्तिगत सुरक्षा, उपेक्षा एवं दुर्व्यवहार से संरक्षण, सहायता तथा देखभाल विषयों पर केंद्रित रहा।

नगरपालिका उपाध्यक्ष श्री संजय महाना के मुख्य आतिथ्य में आयोजित उक्त कार्यक्रम के दौरान सब इंस्पेक्टर श्री धर्मेन्द्र नामदेव,

सामाजिक सुरक्षा अधिकारी एवं नोडल अधिकारी श्री ओमबीर रघुवंशी, प्रेरणा वृद्धाश्रम के सचिव श्री धर्मेन्द्र शर्मा, प्रबंधक श्री मनोज वैष्णव तथा अन्य विभागीय कर्मचारी और स्थानीय निकाय के प्रतिनिधि विशेष रूप से मौजूद रहे।

नगरपालिका उपाध्यक्ष श्री संजय महाना ने अपने संबोधन में कहा कि समाज में बुजुर्गों का सम्मान और उनकी देखभाल करना हम सबका नैतिक दायित्व है। स्थानीय निकायों और पुलिस के समन्वय से वरिष्ठजनों को सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण प्रदान किया जा रहा है।

वरिष्ठजनों की सुरक्षा और अधिकारों पर हुई चर्चा कार्यक्रम के दौरान इंस्पेक्टर श्री धर्मेन्द्र नामदेव ने वरिष्ठजनों की व्यक्तिगत

और कानूनी सुरक्षा, आपातकालीन सहायता तथा उनके साथ होने वाले दुर्व्यवहार या उपेक्षा से बचाव के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पुलिस प्रशासन वरिष्ठजनों की सुरक्षा के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है और किसी भी समस्या के समाधान के लिए वे तुरंत सहायता ले सकते हैं।

नोडल अधिकारी श्री ओमबीर रघुवंशी ने बताया कि अटल वयो अभ्युदय योजना के तहत जिले में विभिन्न जागरूकता गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है, जिससे समाज में वरिष्ठजनों के प्रति सकारात्मक एवं संवेदनशील दृष्टिकोण विकसित हो सके। कार्यक्रम के अंत में वृद्धाश्रम के सचिव श्री धर्मेन्द्र शर्मा ने आभार व्यक्त किया।

पराती नियंत्रण के लिए जिला स्तरीय कंट्रोल रूम गठित

श्यापुर। राष्ट्रीय फसल अवशेष प्रबंधन नीति 2014 के अंतर्गत फसल अवशेष प्रबंधन से संबंधित उपायों को जिले में प्रभावी रूप से लागू करने तथा पराली (नरवाई) जलाने की घटनाओं पर रोक लगाने के उद्देश्य से जिला स्तरीय कंट्रोल रूम का गठन किया गया है।

कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा द्वारा जारी आदेश के अनुसार जिला स्तरीय कंट्रोल रूम के नोडल अधिकारी के रूप में श्री नवीन कुमार, सहायक कृषि यंत्री, कृषि अभियांत्रिकी विभाग 9711792607 को नियुक्त किया गया है। कंट्रोल रूम कलेक्ट्रेट श्यापुर के प्रथम तल पर स्थित नियंत्रण कक्ष में आगामी आदेश तक संचालित रहेगा। इसके लिए दूरभाष नंबर 07530-222631 जारी किया गया है। पराली जलाने की घटनाओं की निगरानी एवं जानकारी संकलित करने के लिए अधिकारी-कर्मचारियों की तीन पालियों में ड्यूटी निर्धारित की गई है।

त्योहारों के दौरान कानून व्यवस्था, जनस्वास्थ्य से जुड़े विषयों पर हुई चर्चा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में वीसी आयोजित

श्यापुर, जीएनएस।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बैठक लेकर विभिन्न योजनाओं की प्रगति एवं आगामी आयोजनों की तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान, स्वामित्व योजना, अल्प वर्षा वाले जिलों की स्थिति तथा त्योहारों के दौरान आवश्यक व्यवस्थाओं सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पटाखों में उपयोग होने वाली कार्बाइड गन के उपयोग तथा ऋय- विक्रय को रोकने के संबंध में सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन गनों में उपयोग होने वाली एसिटिलीन गैस से गंभीर विस्फोट होने की आशंका रहती है, जिससे आम नागरिकों की सुरक्षा को खतरा हो सकता है।

बैठक में मुख्यमंत्री जन-

विश्वास अभियान के क्रियान्वयन एवं स्वामित्व योजना की प्रगति की समीक्षा की गई। साथ ही अल्प वर्षा की स्थिति वाले जिलों में उत्पन्न परिस्थितियों एवं उनसे संबंधित विषयों पर चर्चा हुई।

आगामी त्योहारों एवं मेलों के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने, भीड़ प्रबंधन तथा सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। इस दौरान आपदा प्रबंधन से जुड़ी तैयारियों एवं आवश्यक व्यवस्थाओं पर भी चर्चा की गई। बैठक में खाद्य सामग्री में मिलावटखोरी की रोकथाम के संबंध में की जा रही कार्यवाही की समीक्षा की गई। इसके अतिरिक्त मौसम परिवर्तन के कारण होने वाली बीमारियों की रोकथाम एवं बचाव से जुड़े विषयों पर चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आगामी 31 अक्टूबर को लौह

पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जन्म जयंती तथा 01 नवम्बर को मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की तैयारियों की भी समीक्षा की।

बैठक में गोपालकृष्ण ग्राम पुरस्कार योजना के माध्यम से दुग्ध उत्पादन एवं गोपालन को प्रोत्साहित करने पर चर्चा की गई। योजना का उद्देश्य वर्तमान दुग्ध उत्पादन वृद्धि दर को 9 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत करना तथा प्रदेश में दुग्ध संकलन को 10 लाख लीटर प्रतिदिन से बढ़ाकर 50 लाख लीटर प्रतिदिन करना है। इसके साथ ही भारतीय उन्नत नस्ल की गायों के पालन को बढ़ावा देने और किसानों की आय दोगुनी करने के लक्ष्य की पूर्ति में सहयोग पर जोर दिया गया। योजना के अंतर्गत प्रत्येक

वृंदावन ग्राम में श्रेष्ठ दुग्ध उत्पादक गायों का पालन करने वाले पशुपालकों को पुरस्कृत किया जाएगा। इसमें प्रथम पुरस्कार के रूप में 1 लाख रुपये, द्वितीय पुरस्कार के रूप में 50 हजार रुपये तथा तृतीय पुरस्कार के रूप में 25 हजार रुपये प्रदान किए जाएंगे। इस पहल का उद्देश्य पशुपालकों को उन्नत नस्ल की गायों के पालन और दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करना है। वीसी के दौरान एनआईसी कक्ष श्यापुर में कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा, पुलिस अधीक्षक श्री मोती उर रहमान, सीईओ जिला पंचायत श्री कार्तिकेय जायसवाल, अपर कलेक्टर श्री रूपेश उपाध्याय, एसडीएम श्री गगन सिंह मीणा, डिप्टी कलेक्टर श्री शिवलाल शाक्य सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहें।

पुलिस स्मृति दिवस पर पुलिस लाईन में कार्यक्रम आयोजित

श्यापुर। कर्तव्य के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले अमर शहीद पुलिस कर्मियों की स्मृति में पुलिस लाईन श्यापुर में पुलिस स्मृति दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा, पुलिस अधीक्षक श्री मोती उर रहमान, अपर कलेक्टर श्री रूपेश उपाध्याय, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री प्रवीण भूरिया, रक्षित निरीक्षक श्री अखिलेश शर्मा सहित अन्य पुलिस अधिकारी उपस्थित थे। पुलिस अधीक्षक श्री मोती उर रहमान द्वारा पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर सम्पूर्ण भारत में सितम्बर 2025 से अगस्त 2026 तक कर्तव्य की वेदी पर वीरगति को प्राप्त हुए पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों की नामावली का वाचन किया गया। तत्पश्चात पुष्प गुच्छ के साथ शहीदों को नमन कर उनकी स्मृति में परेड करते हुए सलामी दी गई।

26 अक्टूबर सोमवार को होगा शरद महोत्सव

3000 किलो दुध की बनेगी खीर, 15000 अचलनाथ के भक्त ग्रहण करेंगे खीर प्रसादी

रघुनाथपुर में मलेरिया मास सर्विलांस शिविर संपन्न, 105 ग्रामीणों की हुई जांच

ग्वालियर, जीएनएस।
शहर के सभी धर्म प्रेमी बन्धुओं की आस्था का मुख्य केंद्र है श्री अचलेश्वर महादेव मंदिर, 26 अक्टूबर को शरद पूर्णिमा महोत्सव का भव्य आयोजन किया जा रहा है आज इस आयोजन के लिए श्री अचलेश्वर महादेव मंदिर की पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्यों की मीटिंग आयोजित की गई, मीटिंग में मंदिर न्यास के

राजेश ऐरन अध्यक्ष, नवीन गर्ग उपाध्यक्ष, कृष्ण बिहारी कोषाध्यक्ष, व्यवस्थापक उप सचिव प्रदीप कुमार बंसल, एवं कार्यकारिणी सदस्य मोहनलाल अग्रवाल, सुरेंद्र अग्रवाल, सुनील अग्रवाल, संदीप सिंघल, अतुल गुप्ता, गोपाल दास बघेले, आकाश सर, तरुण बग्गा, यह



सर्व सम्मति से तय किया कि शरद का आयोजन 26 अक्टूबर को शाम 6 बजे से होगा, श्री अचलेश्वर न्यास के सभी सम्माननीय सदस्यों को आमंत्रण पत्र एवं भोजन प्रसादी कूपन घर-घर भेजा गया है सभी सदस्य एक साथ मिलकर भगवान

अचलनाथ, की पूजा अर्चना कर शरद महोत्सव में एकत्रित होंगे, मंदिर पर आने वाले जो भक्त खीर प्रसादी अपने परिवार के लिए घर पर ले जाना चाहेंगे उनको 20 शुल्क में मिट्टी के गिलास में पैकेट के रूप में दी जाएगी बाकी उन भक्त गण वहां

लगे काउंटर से निशुल्क प्रसादी ग्रहण कर सकेंगे, खीर प्रसादी में लगभग लगभग 3000 किलो दूध, 300 किलो चावल, 500 किलो शक्कर, चिचौड़ी इलायची आदि का उपयोग किया जाएगा इसमें मंदिर पर श्रद्धा रखने वाले अनेकों भक्तों द्वारा दान देकर भी सहयोग किया जाएगा इस आयोजन के लिए व्यवस्था समितियां बनाई गई है इसमें प्रसादी व्यवस्था समिति, कूपन व्यवस्था समिति सुरक्षा व्यवस्था समिति बनाई गई है बैठक में सभी ने अपनी राय रखते हुए यह भी तय किया की मंदिर के चारों तरफ सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए सभी सदस्य अपना अपना दायित्व निभाएंगे।

श्यापुर, जीएनएस।

कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा के मार्गदर्शन में जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. एस. एन. बिंदल के निर्देशन में ग्राम रघुनाथपुर में मलेरिया मास सर्विलांस शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 105 ग्रामीणों की जांच एवं रैपिड डायग्नोस्टिक टेस्ट किट के माध्यम से रक्त के नमूनों की मौके पर ही मलेरिया जांच की गई।

राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत आयोजित इस शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में मच्छर जनित बीमारियों की समय रहते पहचान करना और मलेरिया के संक्रमण को फैलने से रोकना है। शिविर में डॉ. साक्षी सिकरवार, मलेरिया टेक्निकल सुपरवाइजर श्री साहिब कुरैशी, सेक्टर सुपरवाइजर श्री राजीव शर्मा,

एएनएम सुश्री नेहा हनवत सहित आशा सुपरवाइजर एवं आशा कार्यकर्ता शामिल रहें। शिविर में निःशुल्क औषधि वितरण परीक्षण के बाद बुखार और अन्य मौसमी बीमारियों के लक्षण वाले मरीजों की पहचान की गई और उन्हें मलेरिया रोधी दवाएं एवं आवश्यक औषधियां पूरी तरह निःशुल्क प्रदान की गईं।

एमटीएस श्री साहिब कुरैशी ने ग्रामीणों को घरों के आसपास जल-जमाव रोकने, मच्छरों के लार्वा को नष्ट करने के तरीके बताए गए और मौसमी बीमारियों से बचाव के प्रति जागरूक किया गया। चिकित्सा अधिकारी डॉ. साक्षी सिकरवार ने ग्रामीणों से अपील की है कि किसी भी प्रकार का बुखार होने पर उसे नजरअंदाज न करें, बल्कि तुरंत नजदीकी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रघुनाथपुर में निःशुल्क जांच करवाएं।

ग्राम सोईकलां में सभी पेयजल स्रोतों की जल गुणवत्ता का परीक्षण

मानक अनुरूप पाये गये जल के नमूने श्यापुर, जीएनएस।

कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा के निर्देशानुसार लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा ग्राम सोईकलां के सभी पेयजल स्रोतों से नमूने लेकर जिला जल परीक्षण प्रयोगशाला में जांच कराई गई है।

कार्यपालन यंत्री पीएचई श्री अफजल अमानुल्ला ने बताया कि कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा द्वारा ग्राम सोईकलां में गत 13 अक्टूबर को आयोजित जनसुनवाई के दौरान ग्रामीणों द्वारा विभिन्न कारणों से कैसर जैसी बीमारियों के लक्षण बढ़ने के संबंध में अवगत कराये जाने पर अन्य उपायों के साथ ही गांव के सभी पेयजल स्रोतों का परीक्षण कराने के निर्देश भी दिये गये थे।

इस क्रम में ग्राम सोईकलां के सभी पेयजल स्रोतों के नमूने लेकर जिला जल परीक्षण प्रयोगशाला में जांच कराई गई। परीक्षण में सभी नमूने भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के मानक आईएस 10500 के निर्धारित स्वीकार्य स्तरों के अनुरूप पाए गए।

उन्होंने बताया कि जल गुणवत्ता की नियमित निगरानी के लिए ग्राम में उपलब्ध फील्ड जल गुणवत्ता परीक्षण किट से समय-समय पर जांच करने हेतु आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को निर्देशित किया गया है।

विभाग द्वारा सभी पेयजल स्रोतों पर क्लोरीनेशन भी कराया जा रहा है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की है कि वे पेयजल स्रोतों के आसपास स्वच्छता बनाए रखें।

ऑपरेशन मेट्रिक्स 2.0 के तहत नीमच पुलिस की बड़ी कार्रवाई शेरार ट्रेडिंग में अधिक मुनाफे का लालच देकर ठगी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के 04 आरोपी गिरफ्तार

भोपाल, जीएनएस।

मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा साइबर अपराधों की रोकथाम तथा साइबर ठगी में उपयोग किए जा रहे म्यूल बैंक खातों के विरुद्ध लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम 'ऑपरेशन मेट्रिक्स 2.0' के तहत नीमच पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए शेरार ट्रेडिंग में टिप्स देने और अधिक मुनाफे का लालच देकर आमजन से ठगी करने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने प्रकरण में 04 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से विभिन्न बैंकों के 62 एटीएम कार्ड, 09 पासबुक, 08 चेकबुक, 08 मोबाइल फोन, 01 लैपटॉप, 01 मैकबुक, 01 एटीएम स्वेप मशीन, 01 हंडई ऑरा वाहन तथा

₹51,500 नगद जब्त किए हैं।

यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक नीमच श्री राजेश व्यास के निर्देशन में नीमच सिटी थाना एवं साइबर सेल की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा की गई।

भारत सरकार के गृह मंत्रालय के अधीन इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर (दृ4ष्ट) द्वारा नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल से प्राप्त संदिग्ध म्यूल बैंक खातों एवं एटीएम निकासी से संबंधित डेटा राज्यों को आवश्यक वैधानिक कार्रवाई के लिए उपलब्ध कराया गया है। इसी डेटा के आधार पर मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा ऐसे बैंक खातों के धारकों एवं उनसे जुड़े व्यक्तियों की पहचान कर कार्रवाई की जा रही है।

प्राप्त तकनीकी जानकारी एवं

मुखबिबर सूचना के आधार पर नीमच पुलिस ने विभिन्न बैंक खातों से जुड़ी एटीएम निकासी की लोकेशन का विश्लेषण किया। कार्रवाई के दौरान बैंक एवं एटीएम बूथ के आसपास से संदिग्ध व्यक्तियों को अभिरक्षा में लेकर पृच्छाछ की गई।

पृच्छाछ एवं उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर सामने आया कि गिरोह से जुड़े व्यक्ति स्वयं तथा अन्य लोगों के बैंक खातों की किट-जिसमें एटीएम कार्ड, पासबुक एवं चेकबुक शामिल थीं-एक अन्य आरोपी को उपलब्ध कराते थे। इन खातों का उपयोग साइबर ठगी से प्राप्त राशि को स्थानांतरित करने एवं निकालने के लिए किया जा रहा था। पुलिस द्वारा आगे की कार्रवाई करते हुए गिरोह

के अन्य सदस्य को भी अभिरक्षा में लिया गया।

फर्जी वेबसाइट और सोशल मीडिया के माध्यम से बनाते थे शिकार

जांच में सामने आया कि आरोपियों द्वारा Omoney-grow.liveO नाम से फर्जी वेबसाइट तैयार कर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एवं फोन कॉल के माध्यम से लोगों से संपर्क किया जाता था। शेरार मार्केट ट्रेडिंग में बेहतर टिप्स देने और कम समय में अधिक मुनाफा दिलाने का झांसा देकर पीड़ितों को राशि निवेश करने के लिए प्रेरित किया जाता था। इसके बाद पीड़ितों से राशि गिरोह द्वारा उपलब्ध कराए गए म्यूल बैंक खातों में स्थानांतरित कराई जाती थी।

प्रस्फुटन समिति सदस्यों का प्रशिक्षण आयोजित

श्यापुर, जीएनएस।

मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के कराहल विकास खंड के सेक्टर गिरधरपुर के ग्राम ढेंगदा में नवांकुर संस्था मानव फाउंडेशन द्वारा प्रस्फुटन समिति सदस्यों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

ग्राम पंचायत ढेंगदा की सरपंच श्रीमती राबूदी आदिवासी के मुख्य आतिथ्य में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान ब्लॉक समन्वयक श्रीमती नीतू गौतम ने बताया कि ग्रामीण विकास और सामाजिक सहभागिता को मजबूत करने के लिए प्रस्फुटन समितियों के सदस्यों और पदाधिकारियों का क्षमतावर्धन एवं प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया है।

परामर्शदाता श्री गोवर्धन मेहरा ने प्रशिक्षण के दौरान शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं



का जमीनी स्तर पर बेहतर क्रियान्वयन करने, जैविक खेती, पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण, जल-गंगा संवर्धन, नशा मुक्ति आदि के संबंध में अवगत कराया गया। साथ ही समितियों के

दस्तावेजों के रिकार्ड को संधारित करने के बारे में जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में कलारना, बगवाज, हनुमानखेड़ा, रामपुराडांग प्रस्फुटन समिति सदस्य एवं नवांकुर सखियाँ उपस्थित रहे।

विपक्ष ने अपने राजनीतिक हितों को राष्ट्र से ऊपर रखा : रामकिशोर कांवरे

बालाघाट, जीएनएस।

भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय बालाघाट में लोकतंत्र बचाओ, भीड़तंत्र हटाओ अभियान की व्यापक तैयारियों को लेकर पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं की एक आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष, पूर्व मंत्री रामकिशोर %नानो% कांवरे ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया।

22 से 5 नवंबर तक

चलेगा जन-अभियान- भाजपा जिलाध्यक्ष

बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष रामकिशोर कांवरे ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि राहुल गांधी द्वारा निर्वाचन आयोग और केंद्र सरकार के खिलाफ लगातार विरोध-प्रदर्शन की घोषणा के बाद विपक्ष जनता के बीच भ्रम और मिथ्या सूचनाएं फैला रहा है। उन्होंने आरोप लगाया, सत्ता के लालच में विपक्ष ने अपने संकीर्ण राजनीतिक हितों को राष्ट्रीय हित से ऊपर रख दिया है। घुसपैठियों का समर्थन कर लोकतांत्रिक संस्थाओं पर हमला करना निंदनीय और राष्ट्र विरोधी

है। इसके विरोध में भाजपा द्वारा 22 अक्टूबर से 5 नवंबर तक जनसहयोग से लोकतंत्र बचाओ, भीड़तंत्र हटाओ अभियान चलाया जाएगा। अभियान की प्रस्तावना रखते हुए जिला महामंत्री संजय मिश्रा ने बताया कि प्रदेश संगठन के आह्वान पर यह अभियान शुरू किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह राष्ट्रहितैषी अभियान विपक्ष के राजनीतिक एजेंडे को उजागर करेगा और लोकतांत्रिक संस्थाओं में आम जनता के विश्वास को पुनः सुदृढ़ करेगा। उन्होंने जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से अभियान में सक्रिय योगदान देने की अपील की।

ग्वालियर पुलिस ने ई-कॉमर्स कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ की बैठक, अवैध बिक्री और सप्लाई रोकने के लिए निर्देश

कार्बाइड गन और संबंधित सामग्री की ऑनलाइन बिक्री पर रहेगी पुलिस की पैनी नजर, ई-कॉमर्स कंपनियों को एसएसपी के सख्त निर्देश

ग्वालियर जीएनएस दीपावली एवं आगामी त्योहारों के दौरान आमजन की सुरक्षा, शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए ग्वालियर पुलिस ने खतरनाक एवं अवैध सामग्री की बिक्री और सप्लाई पर निगरानी तेज कर दी है। इसी क्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) ग्वालियर श्री धर्मवीर सिंह (भापुसे) ने पुलिस कंट्रोल रूम सभागार में विभिन्न ई-कॉमर्स एवं डिलीवरी कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर कार्बाइड गन, कार्बाइड लैंप और इनसे संबंधित सामग्री की ऑनलाइन बिक्री एवं आपूर्ति पर प्रभावी रोक लगाने के निर्देश दिए।

बैठक में डीएसपी अपराध

श्री मनीष यादव, प्रभारी डीएसबी श्रीमती निलोफर मेवाती, डीएसबी के सहायक उपनिरीक्षक श्री अशोक भदौरिया सहित असूचना संकलन शाखा के कर्मचारी उपस्थित रहे। इस दौरान अमेजन, फ्लिपकार्ट, मीशो, मित्रा, सेडो, इंस्टामार्ट, ब्लिंकिट, ब्लू डार्ट और इंडिया मार्ट सहित विभिन्न ई-कॉमर्स एवं डिलीवरी कंपनियों के लगभग 50 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

एसएसपी ने दिए सतर्कता और निगरानी के निर्देश

बैठक में एसएसपी श्री धर्मवीर सिंह ने कंपनियों के प्रतिनिधियों को निर्देशित किया कि वे अपने ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर कार्बाइड गन, कार्बाइड लैंप और संबंधित सामग्री की बिक्री तथा



सप्लाई को लेकर विशेष सतर्कता बरतें। ऐसी सामग्री की आपूर्ति रोकने के लिए आवश्यक निगरानी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, जिससे आमजन, विशेषकर बच्चों एवं युवाओं की सुरक्षा को किसी प्रकार का खतरा उत्पन्न न हो। उन्होंने कंपनियों को उत्पादों

की सूची, ऑर्डर प्रक्रिया और डिलीवरी व्यवस्था की उचित निगरानी करने के निर्देश भी दिए। पुलिस द्वारा जिले में संचालित ई-कॉमर्स कंपनियों के गोदामों एवं वितरण केंद्रों की जांच की जाएगी। साथ ही, कार्बाइड गन और संबंधित सामग्री की बिक्री एवं सप्लाई के संबंध में जानकारी

एकत्र कर तथ्यों के आधार पर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

एसएसपी ने स्पष्ट किया कि यदि किसी कंपनी के माध्यम से अवैध अथवा प्रतिबंधित सामग्री की बिक्री या आपूर्ति किए जाने की जानकारी सामने आती है, तो मामले की जांच कर संबंधित प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा, किसी व्यक्ति द्वारा ऐसी सामग्री मंगवाने या उसके अवैध उपयोग की सूचना मिलने पर भी तथ्यों की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

जनहित में पुलिस प्रशासन का सहयोग करने की अपील : एसएसपी श्री धर्मवीर सिंह ने सभी ई-कॉमर्स एवं डिलीवरी कंपनियों

के प्रतिनिधियों से अपील की कि त्योहारों के दौरान नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। कंपनियां पुलिस प्रशासन के साथ समन्वय बनाए रखें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि अथवा अवैध सप्लाई की जानकारी तत्काल पुलिस को दें। उन्होंने कहा कि कंपनियों की सतर्कता और समय पर की गई कार्रवाई संभावित दुर्घटनाओं को रोकने तथा आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। ग्वालियर पुलिस त्योहारों के दौरान शांति, सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है तथा खतरनाक सामग्री की अवैध बिक्री एवं आपूर्ति पर लगातार निगरानी रखेगी।

अमेरिका में प्रवासी भारतीयों और स्थानीय श्रद्धालुओं को मिलेगा दिव्य सत्संग

पण्डोखर धाम पीठाधीश्वर श्री गुरुशरण जी महाराज अमेरिका प्रवास पर रवाना

दतिया जीएनएस पण्डोखर सरकार धाम के पीठाधीश्वर एवं गृहस्थ संत पूज्य श्री गुरुशरण जी महाराज बुधवार रात्रि को अमेरिका प्रवास के लिए रवाना हुए। उनके इस प्रवास को सनातन संस्कृति, आध्यात्मिक चेतना और भारतीय धार्मिक परंपराओं के अंतरराष्ट्रीय प्रचार-प्रसार की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अमेरिका प्रस्थान से पूर्व महाराजश्री दोपहर 2 बजे तक अपने स्वर्गीय चाचाजी के त्रयोदशी कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। इसके पश्चात उन्होंने पण्डोखर धाम आश्रम स्थित दिव्य दरबार में उपस्थित भक्तों एवं शिष्यों को दर्शन देकर आशीर्वाद प्रदान किया। इसके बाद वे दिल्ली के लिए रवाना हुए, जहां से अमेरिका की यात्रा पर

प्रस्थान किया। पण्डोखर धाम के संस्थापक ट्रस्टी श्री मुकेश कुमार गुप्ता (सागर) ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि पूज्य श्री गुरुशरण जी महाराज का यह अमेरिका प्रवास सनातन संस्कृति, भारतीय आध्यात्मिक परंपराओं और धार्मिक मूल्यों के प्रचार-प्रसार की दृष्टि से विशेष महत्व रखता है। इस प्रवास के दौरान अमेरिका में निवासरत प्रवासी भारतीयों के साथ-साथ स्थानीय नागरिकों को भी विभिन्न संस्थाओं द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में महाराजश्री का सान्निध्य प्राप्त करने, दिव्य सत्संग सुनने तथा उनके आशीर्वाचनों से लाभान्वित होने का अवसर मिलेगा। साथ ही, श्रद्धालु पण्डोखर सरकार की आध्यात्मिक महिमा से भी परिचित हो सकेंगे।



टेक्सास के हनुमान मंदिर में होगा दिव्य सत्संग : श्री गुप्ता ने बताया कि अमेरिका के टेक्सास राज्य के केटी स्थित हनुमान मंदिर ऑफ ग्रेटर ह्यूस्टन में शुक्रवार, 23 अक्टूबर 2026 को सायं 7 बजे से रात्रि 10 बजे तक दिव्य सत्संग एवं आशीर्वाचन का विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस आध्यात्मिक आयोजन में श्रद्धालुओं को पूज्य श्री गुरुशरण जी

महाराज के आध्यात्मिक मार्गदर्शन, दिव्य विचारों और आशीर्वाचनों का लाभ प्राप्त होगा। कार्यक्रम के उपरांत महाप्रसाद की भी व्यवस्था की गई है। इस अवसर पर अनेक आध्यात्मिक विभूतियों, संत-महात्माओं और श्रद्धालुओं के सम्मिलित होने की संभावना है। श्री मुकेश कुमार गुप्ता ने कहा कि पूज्य श्री गुरुशरण जी महाराज का अमेरिका प्रवास वहां निवासरत भारतीय मूल के लोगों को अपनी जड़ों, सनातन संस्कृति, आध्यात्मिक परंपराओं और धार्मिक आस्थाओं से पुनः जुड़ने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करेगा। साथ ही, इस प्रवास के माध्यम से पण्डोखर सरकार का आध्यात्मिक संदेश और दिव्य दरबार की ख्याति अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और अधिक व्यापक होगी।

26 से 28 अक्टूबर तक प्रस्तुत कर सकेंगे साक्ष्य शीतला माता मंदिर के समीप हुई दुर्घटना की जांच शुरू

ग्वालियर जीएनएस ग्वालियर में विगत 18 अक्टूबर की रात शीतला माता मंदिर के मुख्य द्वार पर टुक दुर्घटना के कारण हुई जनहानि के कारणों की जांच के लिये कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्रीमती रुचिका चौहान ने अपर जिला दण्डाधिकारी श्री सी बी प्रसाद को जांच अधिकारी नियुक्त किया है। जांच अधिकारी द्वारा जांच प्रारंभ कर दी गई है।

जांच अधिकारी श्री सी

बी प्रसाद ने उपरोक्त घटना के संबंध में कहा है कि कोई भी स्वतंत्र एवं निष्पक्ष व्यक्ति जिसका प्रकरण में प्रत्यक्ष रूप से हित निहित न हो, साक्ष्य प्रस्तुत करना चाहता हो, वह दिनांक 26, 27 व 28 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक अपर जिला दण्डाधिकारी के न्यायालय में कक्ष क्रमांक-201 में उपस्थित होकर साक्ष्य प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित तिथि के पश्चात साक्ष्य ग्रहण नहीं किए जा सकेंगे।

मप्र ट्रेवल मार्ट में दिखी पर्यटन की विविधता, शिकारा बोट राइड रही सबसे लोकप्रिय

भोपाल जीएनएस। मध्यप्रदेश ट्रेवल मार्ट 2026 में देश-विदेश से आए प्रतिनिधियों ने प्रदेश की प्राकृतिक सुंदरता, ऐतिहासिक विरासत और रोमांचक पर्यटन गतिविधियों का अनुभव किया। हेरिटेज वॉक, शिकारा बोट राइड, बर्ड वॉक, योग और हेलीकॉप्टर जाँय राइड जैसी गतिविधियों ने प्रतिनिधियों को प्रदेश की पर्यटन संभावनाओं से रूबरू कराया।

आयोजन में 149 प्रतिनिधियों ने सहभागिता दर्ज की और विभिन्न गतिविधियों के लिए कुल 338 चयन किए गए। इनमें शिकारा बोट राइड 120 चयन के

साथ सबसे लोकप्रिय रही। हेरिटेज वॉक को 95, बर्ड वॉक को 70, योग को 38 और हेलीकॉप्टर जाँय राइड को 15 चयन मिले। भोपाल के कमला पार्क में हेरिटेज वॉक के जरिए प्रतिनिधियों ने शहर की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत को जाना। एमपीटी बोट क्लब में शिकारा बोट राइड तथा वन विहार क्षेत्र में बर्ड वॉक के माध्यम से प्रकृति और जैव विविधता का अनुभव किया। वहीं, योग गतिविधियों ने वेलनेस पर्यटन और हेलीकॉप्टर जाँय राइड ने एडवेंचर पर्यटन की संभावनाओं को प्रदर्शित किया।

नौ दिनों तक श्रद्धालुओं ने की मां गायत्री की साधना एवं आराधना

गायत्री प्रज्ञा पीठ कंपू में अखंड जप साधना, गायत्री महायज्ञ एवं कन्या पूजन के साथ नवरात्रि का समापन

ग्वालियर जीएनएस गायत्री प्रज्ञा पीठ कंपू में नवरात्रि पर्व का समापन अखंड जप साधना, गायत्री महायज्ञ एवं कन्या पूजन के साथ विधि-विधानपूर्वक संपन्न हुआ। नौ दिनों तक चले इस धार्मिक आयोजन में गायत्री प्रज्ञा पीठ के सदस्यों एवं श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर मां गायत्री की साधना और आराधना की। गायत्री प्रज्ञा पीठ कंपू के ट्रस्टी श्री शिववीर सिंह चौहान ने बताया

कि 11 अक्टूबर, रविवार से शक्ति आराधना के पावन पर्व नवरात्रि का शुभारंभ हुआ था। इस दौरान प्रतिदिन प्रातः 6 बजे से 6:30 बजे तक अखंड जप साधना की गई। इसके पश्चात सुबह 8 बजे से गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने आहुतियां अर्पित कर सुख, शांति, समृद्धि एवं जनकल्याण की कामना की। नवरात्रि पर्व का समापन विजयादशमी के अवसर पर विधि-

विधान से कन्या पूजन के साथ हुआ। इस अवसर पर गायत्री परिवार के सदस्यों एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही। पूरा परिसर मां गायत्री के जयघोष से गुंजायमान हो उठा और भक्तिमय वातावरण में धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए।

इस आयोजन के माध्यम से श्रद्धालुओं ने आध्यात्मिक साधना, धार्मिक आस्था एवं भारतीय संस्कृति के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की।



नाम परिवर्तन सूचना

मेरा सही नाम लीला शर्मा (LILA SHARMA) है। सही नाम मेरे पवित्र वंशजों, शैक्षणिक वृत्तों और आदि में दर्ज है, जबकि आधार कार्ड, पैनकार्ड आदि में मेरा नाम लक्ष्मी शर्मा (LAXMI SHARMA) दर्ज है। लीला शर्मा (LILA SHARMA) और लक्ष्मी शर्मा (LAXMI SHARMA) दोनों नाम एक ही महिला के हैं। अतः प्रकाशन उपरांत मेरे आधार कार्ड, पैनकार्ड एवं सम्बन्धित शासकीय/अशासकीय दस्तावेजों में मेरा नाम लक्ष्मी शर्मा (LAXMI SHARMA) के स्थान पर मेरा सही नाम लीला शर्मा (LILA SHARMA) पत्राचार के तहत किया जावे।

सूचना नाम : लीला शर्मा (LILA SHARMA)
सम्बन्धी शर्मा : पत्नी श्री अनुपम शर्मा, निवासी - भागवत भवन कुमार बस्ती गली, गणेशपुर, मुंबई (म.प्र.)
(LAXMI SHARMA)